श्रावण शुक्ल - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 37 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 29-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ सेवा : चंद्रशेखर

6 शिव शक्ति नाम में भारतीय दर्शन की व्यापक सोच

7 यदि राष्ट्रपति चुना गया, तो एलन मस्क को सलाहकार बनाना चाहूंगा : विवेक रामास्वामी

फर्स्ट टेक

63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी शुरू, 20 कलाकार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली/वार्ता। ललित कला अकादमी द्वारा शुरू की गई 63वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी (एनईए) के शुभारंभ के साथ ही आज यहां देश भर के 20 कलाकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेता मनोज जोशी ने इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष प्रो.वी.नागदास ने की। इस समारोह में मंगोलिया के राजदूत डी गनबोल्ड, इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन, इजरायल दूतावास की संस्कृति अटैचे सुशी रेयूमा मंत्ज़ुर, हंगरी सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली के डायरेक्टर/काउंसलर संस्कृति सुशी डॉ मारियन एर्डो, अल्जीरिया के राजदूत डॉ अली आचोई, स्पेन के राजदूत जोसे मारिया रिडाओ डोमिंग्गेज़ जैसी हस्तियां मौजूद थी।

हत्या के आरोप से बरी हुए इमरान खान

इस्लामाबाद/वार्ता। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के वकील ने सोमवार को कहा कि एक अदालत ने इमरान के ऊपर लगे हत्या

के आरोपों को खारिज कर दिया है। वकील नईम पंजुथा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, क्रेटा के अंदर बिजली रोड पर खान साब के ऊपर झूठा मुकदमा लगाया गया। आज वह एफआईआर खारिज हो गई। आज उस मामले में वह बाइज्जत बरी हो गए। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2022 में सरकार गिरने के बाद से इमरान करीब 100 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इस्लामाबाद की एक अदालत ने उन्हें इस माह तोशखाना मामले में दोषी करार देकर तीन साल की सज़ा सुनाई थी।

जापान का पहला चंद्र मॉड्यूल प्रक्षेपण स्थगित

टोक्यो/वार्ता। मौसम की खराबी के कारण जापान के स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जॉक्सा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जापान का पहला एसएलआईएम चंद्र मॉड्यूल तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से एच-आईआईए लॉन्च वाहन पर प्रक्षेपण किया जाना था। मार्च में नए एच3 रॉकेट की विफलता के बाद यह एजेंसी द्वारा किया गया पहला प्रक्षेपण है। जॉक्सा ने रॉकेट के उड़ान भरने की उम्मीद से 23 मिनट पहले प्रक्षेपण रद्द करने की घोषणा की।

छात्र की पहचान का खुलासा करने के आरोप में

'आल्ट न्यूज' के मोहम्मद जुबैर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले के एक निजी स्कूल में एक शिक्षिका के निर्देश पर एक छात्र को उसके सहपाठियों से थप्पड़ लगवाए जाने की घटना के पीड़ित की पहचान का खुलासा करने के आरोप में 'आल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर गांव स्थित स्कूल की शिक्षिका तृप्ता त्यागी के निर्देश पर कक्षा-2 के एक छात्र के सहपाठियों ने उसे शुक्रवार को थप्पड़ मारा था।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजीव सुमन ने बताया कि किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 74 के तहत मोहम्मद जुबैर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गांव के निवासी एवं शिकायतकर्ता विष्णु दत्त ने आरोप लगाया है कि जुबैर ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर बच्चे की पहचान का खुलासा किया।

शुक्रवार को शिक्षिका का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कक्षा-2 के एक मुस्लिम छात्र के कथित तौर पर गृह कार्य (होमवर्क) पूरा नहीं करने को लेकर उसके सहपाठियों द्वारा उसे थप्पड़ मारे जाते देखा जा सकता है।

मामले के तूल पकड़ने के बाद शनिवार को पीड़ित छात्र के परिवार की शिकायत के आधार पर त्यागी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया।

राष्ट्रपति ने एन टी रामा राव के शताब्दी वर्ष पर स्मारक सिक्का जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलुगु फिल्मों के दिग्गज अभिनेता एवं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एन टी रामा राव के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सोमवार को एक स्मारक सिक्का जारी किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि रामाराव ने एक अभिनेता के रूप में पात्रों को अपने अभिनय से जीवंत किया और असाधारण व्यक्तित्व एवं अपनी कर्मठता के बल पर भारतीय राजनीति के एक अनोखे अध्याय की रचना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवंगत नन्दमूरि तारक रामा राव जी को लोग स्नेह और सम्मान के साथ एनटीआर के नाम से याद करते हैं तथा उनकी जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उनकी स्मृति को वह नमन करती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, दिवंगत एन टी रामा राव ने तेलुगु फिल्मों के जरिए भारतीय सिनेमा और संस्कृति को समृद्ध बनाया। उन्होंने रामायण और महाभारत के प्रमुख पात्रों को अपने अभिनय से जीवंत रूप प्रदान किया था। उनके द्वारा अभिनीत प्रभु श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र इतने सजीव बन पड़े थे कि लोग रामा राव जी को पूजने लगे थे। मुर्मू ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में उनकी लोकप्रियता, एक जन-सेवक और नेता के रूप में भी उतनी ही व्यापक बनी रही।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिवंगत एन टी रामा राव ने अपने असाधारण व्यक्तित्व और कर्मठता के बल पर भारतीय राजनीति के एक अनोखे अध्याय की रचना की तथा उनके द्वारा चलाए गए जन-कल्याण के अनेक कार्यक्रम आज भी याद किए जाते हैं।

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, अगली सुनवाई 12 को

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर सुनवाई सोमवार को टाल दी। अदालत अब इस मामले में 12 सितंबर को सुनवाई करेगी। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश प्रितिंकर दिवाकर की अदालत में जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तो अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने इस बात का उल्लेख किया कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा इस मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

नागरिकों को तेजगति से सेवाओं की डिलीवरी पर फोकस करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'रोजगार मेला' के तहत विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में 51,000 से अधिक नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। यह रोजगार मेला देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। रोजगार मेला के जरिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिल्ली पुलिस में कर्मियों की भर्तियां की हैं।

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी सेवा में आने वाले युवा प्रशासकों का आज आह्वान किया कि वे नागरिक सेवाओं की तेज डिलीवरी तथा टुकड़ों की जगह एक स्थायी एवं दीर्घकालिक समाधान मुहैया कराने के लिए खुद को तैयार करें और इसके लिए तकनीक की भी मदद लें।

मोदी ने यहां सरकारी सेवाओं में नियुक्ति किये गये 51 हजार से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, सरकार और शासन में बदलाव लाने के मिशन में आप सभी युवा मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आप सभी उस पीढ़ी से आते हैं जहां सब कुछ बस एक क्लिक पर मिल जाता है। लोग हर सर्विस की तेज डिलीवरी चाहते हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि आज की पीढ़ी समस्याओं का टुकड़ों में समाधान नहीं चाहती है, उन्हें स्थायी समाधान चाहिए। इसलिए, जनसेवक होने के नाते आपको ऐसे फैसले लेने होंगे, ऐसी जिम्मेदारियां निभानी होंगी, हर पल ऐसे तैयार रहना होगा, जो लंबे समय तक लोगों के लिए फायदेमंद हो।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप जिस पीढ़ी से संबंध रखते हैं, वो कुछ हासिल करने का इरादा रखती है। ये पीढ़ी किसी का फेवर नहीं चाहती, वो बस ये चाहती है कि कोई उनके रास्ते का रोड़ा ना बने। इसलिए, जनसेवक के तौर पर आपके लिए ये समझना बहुत आवश्यक है कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, हमेशा जनता की सेवा के लिए है। आप ये समझते हुए काम करेंगे तो कानून व्यवस्था को बनाए रखने में भी आपको बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बार रोजगार मेले का ये आयोजन एक ऐसे माहौल में हो रहा है, जब देश गर्व और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। हमारा चंद्रयान और उसका रोवर प्रज्ञान, लगातार चंद्रमा से ऐतिहासिक तस्वीरें भेज रहा है। गर्व से भरे इस क्षण और ऐसे समय में आप अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। वह सभी सफल अभ्यर्थियों और उनके परिवारजनों को अनेक-अनेक शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि सेना में आकर, सुरक्षाबलों के साथ जुड़कर, पुलिस सेवा में आकर, हर युवा का सपना होता है कि वो देश की रक्षा का प्रहरी बने। इसलिए आप पर बहुत बड़ा दायित्व होता है। इसीलिए आपकी जरूरतों के प्रति भी हमारी सरकार बहुत गंभीर रही है। बीते कुछ वर्षों में अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है।

नीरज चोपड़ा ने फिर रचा इतिहास

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट/भाषा। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा में 88 . 17 मीटर के थ्रो के साथ यह उपलब्धि हासिल की।

भालाफेंक फाइनल में भारत का इस कदर दबदबा था कि शीर्ष छह में तीन भारत के खिलाड़ी थे और ऐसा विश्व चैम्पियनशिप में पहली बार हुआ है कि शीर्ष आठ में तीन भारतीय रहे हों। किशोर जेना रविवार की देर रात हुए फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 84 . 77 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वहीं डी पी मनु छठे स्थान पर रहे जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 84 . 14 मीटर का था।

25 वर्ष के चोपड़ा ने पहला प्रयास फाउल रहने के बाद दूसरे में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। इसके बाद उन्होंने 86 . 32 मीटर, 84 . 64 मीटर, 87 . 73 मीटर और 83 . 98 मीटर के थ्रो फेंके।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 87 . 82 मीटर के सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत और चेक गणराज्य के याकूब वालेश ने कांस्य पदक जीता जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 86 . 67 मीटर का था।

चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरू किया लेकिन दूसरे प्रयास में बढत बनाई जो अंत तक कायम रही। पाकिस्तान के नदीम भी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर आ गए और आखिर में पहले दो स्थान इन्हीं दोनों को मिले।

संसद में हाल ही में पेश तीन विधेयकों से 70 प्रतिशत नकारात्मक ऊर्जा खत्म होगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और साक्ष्य कानून को बदलने के लिए संसद में हाल ही में पेश तीन विधेयक यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी मामला दो साल से अधिक नहीं चल सके, इससे 70 प्रतिशत नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार शाह यहां 26वीं पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

इस बैठक में राज्यों और केंद्र के बीच कुल 17 मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से नौ का हल किया गया, वहीं शेष मुद्दों को गहन चर्चा के बाद निगरानी के लिए रखा गया।

गृह मंत्री शाह ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पेश किए गए तीन नए विधेयक -भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 - पारित होने के बाद कोई भी मामला दो वर्ष से अधिक नहीं चलेगा, जिससे 70 प्रतिशत से अधिक नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाएगी।''

आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण दो सितंबर को

बेंगलूरु/भाषा। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को घोषणा की कि सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत के पहले सौर मिशन 'आदित्य-एल1' का दो सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्पेसपोर्ट से प्रक्षेपण किया जाएगा। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परत) के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंज बिंदु) पर सौर वायु के यथास्थान अवलोकन के लिए तैयार किया गया है।

मदुरै ट्रेन आग मामले में तमिलनाडु पुलिस ने पांच कैटरिंग कर्मचारियों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै/भाषा। पुलिस ने ट्रेन के डिब्बे के अंदर खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर के अवैध उपयोग के कारण नौ लोगों की मौत से संबंधित मामले में सोमवार को पांच खान-पान (कैटरिंग) कर्मचारियों को गिरफ्तार किया।

उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को मदुरै रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक ट्रेन के डिब्बे के अंदर आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और आठ अन्य घायल हो गए थे। यात्री निजी बोगी में सवार होकर लखनऊ से रवाना हुए थे, जिनमें से कुछ को तीर्थयात्रा के लिए तमिलनाडु के रामेश्वरम जाना था।

बोगी में तीर्थयात्रियों, यात्रा आयोजक और पांच कैटरिंग कर्मचारियों समेत 64 यात्री सवार थे। कर्मचारी उत्तर प्रदेश से तीर्थयात्रियों के साथ ट्रेन में यात्रा कर रहे थे और उन्हें एक दिन से अधिक समय की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों को यहां एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 11 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

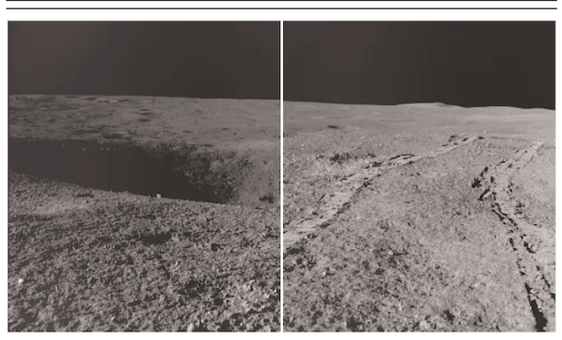

चंद्रमा की सतह पर एक गड्ढे के नजदीक पहुंचा रोवर प्रज्ञान

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत भेजा गया 'रोवर' प्रज्ञान चंद्रमा की सतह पर एक गड्ढे के काफी नजदीक पहुंच गया, जिसके बाद उसे पीछे जाने का निर्देश दिया गया। इसरो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह अब सुरक्षित रूप से एक नए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 27 अगस्त को रोवर चार मीटर व्यास के एक गड्ढे के नजदीक पहुंच गया, जो इसकी अवस्थिति से तीन मीटर आगे था।

इसरो ने कहा, रोवर को पीछे जाने का निर्देश दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, यह अब एक नए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

कोच्चि-बेंगलूरु विमान में बम की सूचना, यात्रियों को कोच्चि हवाईअड्डे पर उतारा गया

कोच्चि/भाषा। कोच्चि से बेंगलुरु जाने वाले इंडिगो के एक विमान में बम होने की सूचना मिलने के बाद उसमें सवार यात्रियों को सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतार दिया गया। हवाईअड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, विमान संख्या 6ई6482 को सुबह 10.30 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना होना था। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और विमान को जांच के लिए एक अलग स्थान पर ले जाया गया है। नेदुम्बस्सेरी पुलिस ने बम की धमकी की सूचना मिलने की पुष्टि की और बताया कि मामले की जांच के लिए एक दल भेज दिया गया है।

29-08-2023 सूर्यास्त 6:32 बजे | 30-08-2023 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
64,996.60 (+110.09)	19,306.05 (+40.25)

सोना	चांदी
6,122 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	75,810 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सर्वारक्षण

हर जाति वर्ग में रहे सदा,
कमजोर और पिछड़े अगड़े।
युग-युग से ही होते आए,
हकदारों के हक में झगड़े।
आंदोलन ना हो आए दिन,
ना तोड़फोड़ के सब रगड़े,
सबको ही दे दो आरक्षण,
हो जाए खत्म सभी लफ़ड़े।।

'जीवन में आगे बढ़ना हो तो आलस का त्याग करना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि आलस सबसे खतरनाक है, जो आगे बढ़ने नहीं देती। आलस आज का कार्य कल करवाता है, कल का काम बाद में ऐसे करते करते हमारा समय व्यतीत हो जाता है। समय का सदुपयोग करने के लिए आलस को भगाना होगा, आलस का त्याग करना होगा। आलस ही हमें धर्म कार्य करने से रोकता है, अटकाता है।

धर्म में हमेशा आलस का त्याग करना चाहिए। तप के विषय में समझाते हुए कहा उपवास का महत्व बताते हुए कहा कि उप-निकट, वास-स्थिर, उपवास का मतलब होता है आत्मा के निकट जाना आत्मा में स्थिर रहना, बाह्य प्रवृत्तिओं से निवृत्त होकर आत्मा का निरिक्षण आत्मा के पास जाना उपवास यानी चारों आहार का त्याग करना।

मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि बाह्य सफाई तो हमने बहुत की है, घर, मकान और शरीर की सफाई की, पर अभी हमको हृदय के अंदर जो राग- द्वेष का कचरा भरा है उसकी सफाई करनी है। जैन युवा संगठन द्वारा घर-घर नवकार मंत्र का अनुष्ठान जाप के पोस्टर का अनावरण किया गया। गुरुदेव ने इस अभियान में सबको जुड़ने की प्रेरणा प्रदान की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान-महादान

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर एवं ब्लड बैंक लायंस क्लब के सहयोग से महागणपति नगर स्थित प्रकाशचंद मेहता के निवास स्थान पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने प्रायोजक प्रकाशचंद, महावीरकुमार मेहता का सम्मान किया गया। इस शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इस अवसर पर तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर, पूर्व अध्यक्ष अरविंद गन्ना, एमबीडीडी संयोजक विनोद कोठारी एवं चेतन मांडोत का विशेष सहयोग रहा।

परमात्मा भक्ति ही ज्ञान की गहराई में जाने का राजमार्ग है : पन्यास भक्तिरत्नविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने कहा कि प्रभुभक्ति से प्रभुमिलन होता है। दुनियाभर के फूलों से निचोड़कर बनाया गया इत्र यानी प्रभु मिलन के समान है। उनकी भक्ति दुनिया भर के दही से बिलोकर निकाला गया मक्खन अर्थात प्रभु मिलन के समान ही उनकी भक्ति। सोमवार को सुबह प्रभु मिलन की बात करते हुए संतश्री ने कहा कि प्रभु यानी आत्मा का परमात्मा से मिलन हो जाये तो हमें किसी और से मिलने आवश्यकता रहती नहीं। कोई व्यक्ति यदि इस सार को स्वीकार कर लेता

है, तो परिणाम यह होगा कि वह भले ही संसार में रहेगा, लेकिन तब जीने का उसका ढंग और व्यवस्था उसकी भिन्न होगी। फिर उसका जीव प्रेममय, शान्तिमय, आनंदमय होगा। अगर कोई व्यक्ति जीवन को भक्तिमय बना ले तो शान्ति स्वतः उसमें झरेगी, सुख स्वतः उसमें बरसेगा, आनंद उसके रोम-रोम में नृत्य करेगा। सभी परंपराओं ने प्रभु मिलन के इस भक्ति के हिस्से को स्वीकार किया है। व्यक्ति ने श्रेष्ठ जन्म पाया है, तो इसका अर्थ केवल इतना ही नहीं कि वह संसार में इतना अधिक रच-पच जाय और जब जिन्दगी पूरी हो जाय, तो रवाना हो जाए, परन्तु सारी जिन्दगी प्रभु भक्ति करते हुए, उनके गुणगान करते हुए कभी प्रभु से मिलन ही न करे।

प्रभुभक्ति और प्रभु मिलन की पराकाष्ठा का वर्णन करते हुए बताया कि जिनके पास बैठने मात्र से भीतर में उठने वाले विकार-पल भर में नष्ट हो जाते हैं। ऐसे अनेक महापुरुष जिनशासन में हो गए जिन्होंने श्रेष्ठ परमात्मा भक्ति की ज्ञान की गहराई में जाने का राजमार्ग है। भक्ति अपनी सांस-साँस में परमात्मा के प्रति रंग जानी चाहिए।

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में रोजगार बढ़े : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले नौ साल के कार्यकाल में रोजगार बढ़े हैं और इस दौरान देश के युवाओं को नौ लाख नौकरियां दी गईं। उन्होंने यहां रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

सिंह ने मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, न केवल नौकरियां पैदा हुई हैं, बल्कि आपने (प्रधानमंत्री) युवाओं में जागरूकता पैदा की है कि रोजगार केवल सरकारी नौकरियों के बारे में नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) और भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन के दौरान हुए रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए कहा, कई बार सवाल उठते हैं कि तब और अब में क्या अंतर है।

सिंह ने कहा कि संप्रग के पहले नौ साल यानी 2004 से 2013 के दौरान छह लाख नौकरियां दी गईं जबकि वर्तमान सरकार के तहत नौ लाख नौकरियां दी गई हैं जो 60 से 70 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने संप्रग और राजग शासन के दौरान भारत सरकार की तीन मुख्य भर्ती एजेंसियों - कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा की गई भर्तियों की तुलना की।

'स्वस्थ भारत व हरित भारत' के लिए मायुमं सेन्ट्रल के साइक्लोथॉन में शामिल हुए 300 प्रतिभागी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय खेल दिवस पर के मौके पर मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु शाखा ने फिट इंडिया के सहयोग से 'स्वस्थ भारत व हरित भारत' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को 10 और 15 किलोमीटर की दूरी का साइक्लोथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया। साइक्लोथॉन 3.0 का आयोजन डेकाथलॉन सरजापुर रोड के सहयोग से किया गया जिसमें 300 साइकिल प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा शाखा के 50 सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। सभी साइकिल सवारों को टी शर्ट, मेडल और प्रमाण पत्र, एनर्जी ड्रिंक और अन्य उपहार दिये गये। अध्यक्ष अंकित गोयल, सचिव शिशिर अग्रवाल और संयुक्त सचिव कौशल सुल्तानिया की देखरेख में मुख्य संयोजक विवेक अग्रवाल, मोनिका संथोलिया, गौतम लोहिया और राहुल बंसल आदि ने सहयोग दिया ।

गिरीश गाबा और गीता पुजारी ने टेनपिन बॉलिंग चैम्पियनशिप जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चर्च स्ट्रीट अम्बिवा काम्पलेक्स में कर्नाटक राज्य टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें पुरुष वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त गिरीश गाबा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त परवेज अहमद को 69 पिन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। महिला वर्ग में गीता पुजारी ने चेतना आर को 50 पिन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। राउंड 2 के पुरुषों में शीर्ष 8 गेंदबाजों ने लॉन्ग और मीडियम ऑयल पैटर्न पर प्रत्येक में 4 गोले फेंके। परवेज़ अहमद 32 खेलों में 188.63 के औसत से 6036 के कुल स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर रहे। गिरीश गाबा, दूसरे, आकाश अशोककुमार तीसरे और अनुराग पोद्दार चौथे स्थान पर रहे। महिला वर्ग के राउंड 2 में, गीता पी ने 159.15 की औसत से 3183 पिन बनाकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

चेतना आर और स्वाति नायक क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। स्टेपलडर राउंड में, पुरुष वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त अनुराग पी ने तीसरी वरीयता प्राप्त आकाश अशोककुमार पर जीत हासिल की। करीबी मुकाबले वाले मैच-2 में दूसरी वरीयता प्राप्त गिरीश गाबा ने चौथी वरीयता प्राप्त अनुराग पी को 6 पिन से हराया और चैंपियनशिप फाइनल में पहुंच गए। संस्था के अध्यक्ष डॉ अजय सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

संगीत कंपनी के सीईओ के अपहरण का मामला, मुंबई पुलिस ने एक और व्यक्ति को पकड़ा

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने एक वित्तीय विवाद को लेकर एक संगीत कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के अपहरण तथा उससे मारपीट के संबंध में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या चार हो गई है। यहां वनराई पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की शेट्टी के रूप में की गई है जिसे शनिवार को कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कार के कारोबार में शामिल शेट्टी ने कथित तौर पर अपराध में अहम भूमिका निभाई थी। उसकी कार भी जब्त कर ली गई है। उन्होंने बताया कि सिंह के अपहरण में इस्तेमाल की गई कार और शिवसेना के एक विधायक के बेटे एवं आरोपी राज सुर्वे का अभी पता नहीं चला है।

इससे पहले पुलिस ने बताया था कि नौ अगस्त को 'ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन प्राइवेट लि.' के सीईओ राजकुमार सिंह (38) का कुछ लोगों ने उपनगर गोरेगांव में उनके कार्यालय से कथित तौर पर अपहरण तथा उनसे मारपीट की।

आम लोगों के लिए किफायती घर बनाने को विभिन्न स्तर पर कर हटाने की जरूरत : नारेडको अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) के अध्यक्ष राजन बंदेलकर का मानना है कि आम लोगों के लिए किफायती घर बनाने के लिए विभिन्न स्तर पर करों को हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए का घर लेने पर 33 से 36 लाख रुपए कर के रूप में जाते हैं।

बंदेलकर ने कहा, आज दुर्भाग्य से रियल स्टेट क्षेत्र में डेवलपर का 'मार्जिन' एकल अंक में है। सरकार को अपना अंश (शेयर) कम करना होगा। अगर आज आप एक करोड़ रुपए का मकान खरीदते हैं, तो 33 लाख से 36 लाख रुपए सरकार के खाते में किसी न किसी कर के रूप में जाते हैं। मैं आयकर की बात नहीं कर रहा हूं। ये विभिन्न कर व राजस्व केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन को मिलता है। इस तरह मकान की कुल कीमत का एक तिहाई-हिस्सा सरकार को जाता है। बंदेलकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घरों को किफायती बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना करते हुए उनसे कुछ कर हटाने की गुजारिश भी की। उन्होंने कहा, सरकार किफायती घरों के लिए काफी बेहतरीन काम कर ही है, लेकिन इसे और किफायती बनाने के लिए इन सभी करों को हटाना होगा। बंदेलकर ने नारेडको की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लाने से पहले सरकार ने कहा था कि चुंगी कर हटाया जाएगा, जिसे हटाया भी गया। हालांकि, अब भी स्टाम्प शुल्क, स्थानीय कर (लोकल टैक्स) जैसी कई बाधांए हैं जो आवास खरीदने वालों पर भार बढ़ा रही हैं। सरकार को इसपर गौर करना चाहिए।

दूसरों की हमेशा प्रशंसा करें, उन्हें प्रोत्साहित करें : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि लोग आपसे बहुत जल्दी आकर्षित हो जाए, ये इसलिए नहीं कि लोगों का आपको फायदा उठाना है, बल्कि इसलिए कि उनके दिल में आपके लिए जगह हो। इसके लिए तीन चीजें है, सबसे पहले किसी की बुराई मत करते करो। दूसरों की गलती मत निकालो। दूसरी बात कि हमेशा दूसरों की तारफ करो। हम दूसरों को उसके कपड़े, शक्ल व पहनावे से अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकते अपितु उनकी प्रशंसा करके सामने वाले को अपना बना सकते हैं। कोई भी कार्य को अच्छा करने से ज्यादा उस कार्य को पूर्ण करना जरुरी है। जो कार्य को पूर्ण करें हमें उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

शरीर की सक्रिय अवस्था में ही करना चाहिए धर्माराधना : साध्वी सुलोचनाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी सुलोचनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा

कि सनत कुमार को अपने शरीर में इतने सारे रोगों के एक साथ प्रवेश करने के बाद वैराग्य उत्पन्न हुआ। जब हमारा शरीर जाग्रत अवस्था में हो तब ही हमें धर्माराधना कर लेनी चाहिए। लेकिन हकीकत में हमारा शरीर जब अन्तिम समय में पहुंच जाता है तभी हमें धर्म आराधना करने की याद आती है। इसलिए ज्ञानियों ने कहा है कि जब हमारा शरीर अच्छी अवस्था में हों तभी धर्म क्रियाओं द्वारा हमारी आत्मा को कर्मरहित करने का प्रयास करना चाहिए। बाह्य रोगों को मिटाने के लिए हमें पहले बुरे कर्मों को मिटाना है। अगर हमारे बुरे कर्म मिट जाएंगे तो शरीर के बाह्य रोगों को मिटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। हमें शरीर के प्रति मोह राग नहीं रखना है। पांच इन्द्रियों के तेईस विषयों स्पर्शेन्द्रिय के आठ, रसनेन्द्रिय के पांच, घ्राणेन्द्रिय के दो, चक्षुनेन्द्रिय के पांच और श्रोतेन्द्रिय के तीन विषयों का त्याग करके वैराग्य को प्राप्त करना है। पूर्व भवों में रागों के प्रति निर्वेग यानी वैराग्य ही हमें आगामी भवों में मोक्ष की ओर अग्रसर कर सकता है।

'विनय-विवेक क्रिया करने वाला सच्चा श्रावक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ और अमर कुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि ज्ञानी भगवंत ने मोक्ष का लक्ष्य निर्धारित किया है। जो बुद्धिमान होगा वह लक्ष्य के अनुरूप कार्य करेगा।

व्यक्ति चार प्रकार से जीवन जीते हैं एक वह जो खाते है, पीते है, जीते हैं पर उनका कुछ लक्ष्य नहीं होता है, मौज शौक में अपने जीवन को पूरा कर देते हैं। दूसरे खाते हैं, पीते हैं, जीते हैं लेकिन साथ में कुछ ना कुछ बनने की इच्छा रखते हैं। तीसरे वह है जो खाते हैं, पीते हैं, जीते हैं, साथ में धर्म आराधना करते हैं, दीन दुखियों का सहयोग करते हैं, जिनवाणी श्रवण भी करते हैं और चौथे प्रकार के व्यक्ति कर्तव्य स्वरूप में परिवार के साथ जीते हैं, लेकिन उनका लक्ष्य मोक्ष जाने का होता

है। पहले वाला व्यक्ति कुछ नहीं के बराबर है, दूसरा कुछ है, तीसरे में काफी कुछ है और चौथे व्यक्ति में सब कुछ है।

मूल को भूल गए तो परिभ्रमण बढ़ गया, जो मूल को भूल गया वह सब कुछ भूल गया। श्रावक शब्द की विवेचना करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि जो श्रद्धा को धारण करें। विनय विवेक पूर्वक क्रिया करने वाला श्रावक कहलाता है। जो मूल को भूल जाता है वह अपनी गलती कभी स्वीकार नहीं करेगा और जो मूल को पकड़ कर रखता है वह कभी गलती नहीं करेगा।

सिद्धि तप व अट्ठाई तप के तपस्वियों का निकला वरघोड़ा, उमड़े श्रद्धालु

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरीश्वरजी की निश्रा में सुमतिनाथ जिनालय से सिद्धितप, अट्ठाई के तपस्वियों का वरघोड़ा निकाला गया। लाभार्थी सोहनराज रिखबचंद परिवार ने हरी झंडी दिखाकर वरघोड़ा रवाना किया। यह वरघोड़ा विभिन्न मार्गों से होते हुए अशोका रोड से एग्जिबिशन ग्राउंड पहुंचा। वरघोड़े में तपस्वियों के अलावा अनेक आकर्षण शामिल थे। कार्यक्रम स्थल पर सुमति पारणानगरी का उद्घाटन लाभार्थी ओसवाल प्लाईवुड एंड ग्लास परिवार ने किया। पारणा नगरी में सिद्धि तप, एवं अट्ठाई तप की तपस्वियों को पारणा कराने के लाभार्थी रतनीबाई बाबूलाल राठौड़ परिवार ने लाभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुकेश अंबानी ने उत्तराधिकार योजना आगे बढ़ाई, ईशा, आकाश और अनंत रिलायंस के निदेशक मंडल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी ने अपनी उत्तराधिकार योजना पर अमल शुरू करते हुए सोमवार को कहा कि पुत्री ईशा और पुत्र आकाश तथा अनंत को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है। अब तक अंबानी परिवार के तीनों युवा उद्यमी सिर्फ परिचालन एवं व्यवसाय-स्तर से ही जुड़े हुए थे। उनमें से कोई भी देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक मंडल का हिस्सा नहीं था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में इन तीनों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। सालाना आमसभा (एजीएम) से पहले हुई निदेशक मंडल की बैठक में ईशा, आकाश और अनंत को कंपनी में गैर-कार्यकारी निदेशक नियुक्त करने की मंजूरी दी गई। दिग्गज उद्योगपति 66 वर्षीय मुकेश अंबानी ने पिछले साल अपने बड़े बेटे आकाश अंबानी को देश की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. का चेयरमैन बनाने का रास्ता साफ कर दिया था। जियो इन्फोकॉम, जियो प्लेटफॉर्म्स की अनुषंगी है। जियो प्लेटफार्म्स में मेटा और गूगल जैसी कंपनियों की भी हिस्सेदारी है। इस कंपनी के मुखिया अभी मुकेश अंबानी ही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. जियो प्लेटफॉर्म्स की मूल कंपनी है। आकाश की जुड़वां बहन 31 वर्षीय ईशा को रिलायंस की खुदरा इकाई और छोटे पुत्र अनंत को नए ऊर्जा कारोबार की अगुवाई के लिए चुना गया था। अंबानी की तीनों संतानें संबंधित कंपनियों के निदेशक मंडल में शामिल थीं लेकिन पहली बार वे मूल कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हुए हैं। रिलायंस ने एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी के बाद उनके कार्यभार संभालने के पश्चात प्रभाव में आएगी।

रक्षा बंधन मुहूर्त

रक्षाबंधन का त्योहार 30 अगस्त को मनाना ज्यादा अच्छा रहेगा। पूर्णिमा तिथि 30 अगस्त को दिन में 10:59 मिनट से प्रारंभ होगी व दूसरे दिन प्रातः 07:07 बजे तक रहेगी। पूर्णिमा तिथि के साथ ही भद्रा भी लग जाएगी, शास्त्रों में भद्रा काल में श्रावणी पर्व मनाने का निषेध कहा गया है और इस दिन भद्रा रात्रि 09:02 तक रहेगी। भद्रा उपरांत ही अपने भाई के रक्षासूत्र बांधना ज्यादा उपयुक्त रहेगा।

पौराणिक मान्यता के अनुसार राखी बांधने के लिए दोपहर का समय शुभ रहता है, लेकिन यदि दोपहर के समय भद्रा काल हो तो फिर प्रदोष काल में राखी बांधना शुभ होता है।

रक्षा बंधन के लिए शुभ मुहूर्त :

रात्रि 09.02 से 12.15 बजे तक गुरु, मंगल, सूर्य की होरा में रहेगा।

श्रेष्ठ समय : रात्रि 09.02 से 9.25 तक गुरु की होरा में रहेगा।

अति आवश्यकता मुहूर्त : बुधवार 30 अगस्त को भद्रा प्रारम्भ से पूर्व प्रातः 06:08 से प्रातः 09:14 बजे तक व सायंकाल 05:32 से सायं 06:32 तक भी राखी बांधी जा सकती है। साथ ही 31 तारीख को प्रातः 6.08 से 7.07 बजे तक भी रक्षा सूत्र बांध सकते है।

पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
मोबाइल : 94484 17398

बेंगलूरु टेक सम्मिट का 26वां संस्करण 29 नवम्बर से

तीन दिवसीय इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों की होगी भागीदारी ■ जीआईए के भागीदार देश 16 आकर्षक सत्रों की मेजबानी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु टेक सम्मिट का 26वां संस्करण अद्वितीय पैमाने और अभूतपूर्व स्तर की वैश्विक भागीदारी के साथ सभी अपेक्षाओं को पार करने के लिए तैयार है। यह शिखर सम्मेलन एक असाधारण कार्यक्रम है जो प्रौद्योगिकी और नवाचार की सीमाओं को फिर से परिभाषित करेगा जो 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2023 तक प्रतिष्ठित बेंगलूरु पैलेस में होने वाला है। सोमवार को, कर्नाटक सरकार के माननीय ग्रामीण विकास और पंचायत राज, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे ने ग्लोबल इनोवेशन अलायंस (जीआईए) पार्टनर्स मीटिंग में अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की। इस मौके पर जीआईए पार्टनर्स मीट में कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं।

मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि सूचना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र उन कई चुनौतियों को हल करने में व्यस्त है जिनका सामना आज दुनिया कर रही है, हम जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं, हमें सीमाओं के पार व्यापक समाधान बनाने और नवाचारों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है जिससे संपूर्ण मानव जाति को लाभ होगा। मंत्री ने 29 नवंबर, 2023 से तीन दिनों के लिए बेंगलूरु में आयोजित होने वाले 26वें बेंगलूरु टेक शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि में सोमवार को आयोजित ग्लोबल इनोवेशन अलायंस पार्टनर्स की बैठक में बात की। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर निर्यात के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है, देश के कुल सॉफ्टवेयर निर्यात का 40 प्रतिशत राज्य से होता है। बेंगलूरु दुनिया का चौथा सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी क्लस्टर है और हमारे पास दुनिया में सबसे अच्छा कुशल कार्यबल है। .हमें भविष्य के लिए और अधिक लचीला होने की आवश्यकता है, कर्नाटक सरकार नवाचार की चुनौतियों के लिए तैयार है। हमारे पास उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए एक कौशल सलाहकार समिति है, साइबर सुरक्षा: कृषि नवाचार: डेटा विज्ञान और एआई, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर दंतकथाएं, मशीन इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स, एनीमेशन आदि में हमारी विशेषज्ञता है; अपने भाषण में, मंत्री ने यह भी कहा कि हम ऑटोमोबाइल तकनीक, गेमिंग एक्सेलेरेटर और सर्कुलर इकोनॉमी लैब जैसे क्षेत्रों में अपने पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सहयोग करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, इजराइल, जर्मनी, नीदरलैंड, जापान, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन के दूतावासों के प्रतिनिधियों ने बात की और अपने-अपने देशों में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बताया।

इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में सरकार के सचिव डॉ. एकरूप कौर, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी विभाग के निदेशक और प्रबंध निदेशक, किट्स, के दर्शन एचवी एमएम एक्टिविटी साइंस-टेक कम्युनिकेशंस के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश पाटणकर और इवेंट क्यूरेटर द्वारा एक विस्तृत इवेंट प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें इवेंट के बारे में सभी प्रासंगिक जानकारी शामिल थी।

इस कार्यक्रम में बताया कि बीटीएस 2022 ने 405 वक्ताओं, 9356 प्रतिनिधियों, 585 प्रदर्शकों, 25,738 पंजीकृत आगंतुकों, 50,000 से अधिक एक्सपो दर्शकों और 104 बायोटेक पोस्टरों सहित प्रतिभागियों की रिकॉर्ड-तोड़ संख्या के साथ एक अविश्वसनीय सफलता हासिल की। पिछले कुछ वर्षों में, बेंगलूरु टेक समिट में लगातार जीआईए भागीदारों की पर्याप्त भागीदारी रही है। पिछले संस्करण में, इस कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी गई थी। उनमें से, 17 देशों ने आकर्षक जीआईए सत्र आयोजित किए, जिसमें 104 वक्ताओं का एक विविध पैनल शामिल था। इसके अतिरिक्त, बीटीएस 2022 में ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड और संयुक्त अरब अमीरात के सम्मानित मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ-साथ सात देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूतों की सक्रिय भागीदारी भी शामिल थी।

पिछले वर्ष की उल्लेखनीय सफलता के आधार पर, बीटीएस 2023 प्रसिद्ध तकनीकी देशों के सम्मानित उच्च-स्तरीय सरकारी और उद्योग प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति का उत्सुकता से इंतजार कर रहा है।

सोमवार को, शिखर सम्मेलन के लिए ग्लोबल इनोवेशन एलायंस पार्टनर्स की भागीदारी का औपचारिक उद्घाटन और मान्यता देने के लिए जीआईए पार्टनर्स की बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 16 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति देखी गई, और ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इज़राइल, जापान, स्विट्ज़रलैंड और नीदरलैंड के महावाणिज्य दूत/उप महावाणिज्य दूत ने अपनी टिप्पणियाँ साझा कीं। बैठक के दौरान, प्रतिनिधियों ने बीटीएस 2023 में अपने-अपने देशों से अपेक्षित भागीदारी के बारे में जानकारी प्रदान की और कार्यक्रम के लिए संभावित वक्ताओं पर प्रकाश डाला। यह उल्लेखनीय है कि इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश अपने इतिहास में पहली बार बीटीएस के इस पूर्ववर्ती कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ेगा।

कर्नाटक में सूखे की स्थिति पर कैबिनेट उपसमिति करेगी चर्चा : सिद्दरामैया

मैसूरू/दक्षिण भारत । कर्नाटक के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि एक कैबिनेट उप-समिति शीघ्र ही बैठक करेगी और उसके अवलोकन के आधार पर राज्य सरकार निर्णय लेगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसे कोई उदाहरण नहीं हैं जब ऐसी कोई पहल सफल हुई हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य द्वारा सूखा घोषित किए जाने पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के नियमों के अनुसार केंद्रीय सहायता प्राप्त करने के लिए केंद्र को सूचित किया जाएगा। सिद्दरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, एक-दो दिन में कैबिनेट उप समिति की बैठक होगी। उसके बाद हम कोई निर्णय लेंगे। राज्य में सूखा घोषित किए जाने पर हम केंद्र से अपील करेंगे। केंद्र का एक दल आएगा। केंद्र को एनडीआरएफ के नियमों के अनुसार हमारी मदद करनी होगी।

कर्नाटक सरकार की 'गृह लक्ष्मी' योजना कल से होगी शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार अपने अपने घरों की गृहस्वामिनी एक करोड़ से अधिक महिलाओं को 2,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता योजना बुधवार को जिला मुख्यालय शहर मैसूरु में शुरू करेगी। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि करीब 1.08 करोड़ संभावित लाभार्थियों ने 'गृह लक्ष्मी' योजना के लिए नामांकन कराया है। यह योजना मई विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से हटाने वाली कांग्रेस की चुनाव पूर्व पांच चुनावी 'गारंटी' में से एक है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आज मैसूरु में पत्रकारों से कहा कि कार्यक्रम में करीब एक लाख लोग आएंगे, जहां खरगे योजना की शुरुआत करेंगे जबकि वह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे तथा इस दौरान राहुल गांधी भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक सरकारी कार्यक्रम है और खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता एवं गांधी लोकसभा सांसद होने के नाते कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कोई पार्टी का कार्यक्रम नहीं है।

विपक्षी दलों के नेताओं को अपने खेमे में लाने की रणनीति बना रही है कांग्रेस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस में शामिल होने वालों के लिए 'ऑपरेशन हस्त' मुहिम चलाने पर जोरशोर से चर्चा हो रही है मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि इसके तहत कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले सभी भाजपा और जद (एस) नेताओं को पार्टी में शामिल किया जाएगा पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह राज्य में दिवालिया हो गई है। सरकार गठन के करीब 100 दिन बाद भी वे विपक्ष का नेता नियुक्त नहीं कर पा रहे हैं मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने उपहास करते हुए कहा कि कर्नाटक के इतिहास में किसी भी विपक्षी दल के लिए ऐसा कभी नहीं हुआ था इस बीच सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस ने विपक्षी दलों से नेताओं को खींचने की रणनीति बनाई है पहले चरण में निचले कैडर के नेताओं और स्थानीय नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। बाद में जब शीर्ष नेता अपने भरोसेमंद सहयोगियों का एक बड़ा हिस्सा खोने के कारण दबाव में आएगा, तो कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उससे संपर्क स्थापित करेगा और उसे पार्टी में शामिल किया जाएगा काम को अंजाम देने का जिम्मा कैबिनेट मंत्रियों को दिया गया।

मैसूरु में धरोहर इमारतों को ध्वस्त करने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूरु में धरोहर ढांचों 'देवराज मार्केट और लैंसडाउन बिल्डिंग' को ध्वस्त किए जाने को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका खारिज कर दी है। मैसूरु के उपायुक्त द्वारा गठित एक कार्यबल समिति और विशेष धरोहर समिति ने इमारतों को ध्वस्त करने की सिफारिश की थी क्योंकि वे जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले और न्यायमूर्ति एम जी एस कमल की खंडपीठ ने हाल के एक फैसले में कहा, यह स्थापित कानून है कि जब विशेषज्ञों के विचार/राय पर गौर करने का मुद्दा आता है, तो अदालतों को रिआयत दिखाने में सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि अदालतों के पास विशेषज्ञता नहीं है। प्रोफेसर डी श्रीजय देवराज उर्स, जी सत्यनारायण (गौरी सत्या), एन निरंजन निकम और आर राजा चंद्रा सहित मैसूर के नागरिकों द्वारा दायर जनहित याचिका खारिज कर दी गई। अदालत ने कहा, इन समितियों का गठन क्षेत्र में विशेषज्ञों की राय लेने के लिए किया गया था, जिन्होंने देवराज मार्केट का मौके पर निरीक्षण किया और आवश्यक सामग्री एकत्र की और उसके बाद राय दी कि इमारत का पुनर्निर्माण करना उचित नहीं होगा और एकमात्र रास्ता इमारत को ध्वस्त करना है।

बुर्का पहने महिला के साथ दुर्व्यवहार करने पर कर्नाटक में एक गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक पुलिस ने बुर्का पहने एक महिला के साथ दूसरे धर्म की अपनी सहेली के साथ जाने पर दुर्व्यवहार करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान कोलार जिले के बंगारपेट निवासी जाकिर अहमद के रूप में हुई। ईस्ट साइबर इकोनॉमिक एंड नारकोटिक्स (सीईएन) थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपियों ने बाइक रोककर सार्वजनिक स्थान पर हंगामा किया था। उन्होंने आपत्ति जताई थी और महिला से उस युवक के साथ यात्रा करने पर सवाल उठाया था, जो गैरमुस्लिम था। यह घटना शनिवार को एक सार्वजनिक स्थान पर हुई और स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बना लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की लगाई क्लास

'जो लोग कारों में चलते हैं वे मालिक नहीं हैं, जो लोग नंगे पैर चलते हैं वे मेरे मालिक हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। क्या जनता को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए दूर-दराज के इलाकों से विधान सौधा, मेरे दरवाजे पर आना चाहिए? तब मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अधिकारियों से तल्खी से पूछा, आप सब वहां क्यों हैं? उन्होंने अपनी अध्यक्षता में मैसूरु केडीपी की बैठक के अंत में यह बात कही।

अधिकारी एवं कर्मचारी जनता के लिए उपलब्ध रहें। क्या लोगों को खाता पंजीकृत करने और जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए विधान सौधा आना होगा? जनता हमारी मालिक है। हम जनता के सेवक हैं। जनता के पैसे से आपको, हमें हर तरह की सुविधा मिल रही है। इसलिए लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर नहीं लगाना चाहिए। अगर लोग छोटे-छोटे काम के लिए विधान सौधा आते हैं, मुझे ढूंढ़ते हैं, तो इसका मतलब है कि आप ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप इसे ठीक से नहीं समझेंगे तो परिणाम भुगतेंगे। भले ही लोग नंगे पैर या जूते पहनकर आएं, लेकिन वे सरकार के मालिक हैं। कारों में यात्रा करने वाले अधिकारियों को नंगे पैर आने वालों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि उनकी समस्याओं को सुना जाये और समाधान किया जाये। सबसे पहले मेरे जिले में जिला प्रशासन और अधिक सक्रिय हो जाये। अगर सरकार नियमानुसार और समय सीमा के अंदर काम नहीं करेगी तो इसे किसी भी कारण से बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जनता की अपेक्षाओं को समझकर सरकार बदलने का अपना कर्तव्य निभायें।

शिक्षा सूचकांक में मैसूरु जिला 16वें स्थान पर है, जो शर्म की बात है। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। शिक्षा, स्वास्थ्य सूचकांक सहित सभी मानव विकास सूचकांकों में मैसूरु एक मॉडल जिला होना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को उसी प्रकार कार्यकुशलता एवं कार्यकुशलता दिखाने की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मैं छह महीने बाद फिर से केडीपी की बैठक करूंगा।' तब तक स्थिति में सुधार हो जाना चाहिए। प्रगति की गति बढ़नी चाहिए, अन्यथा मैं जिला स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराऊंगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार के लिए उन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना जरूरी होगा जो प्री-मैच्योर हैं। बारिश नहीं होने से लोगों और किसानों को परेशानी हो रही है, इसलिए उन्होंने और तरीकों से जवाब देने का सुझाव दिया। इंस्पेक्टरों की जानकारी में आए बिना उनके थाने में अवैध गतिविधियां होना संभव नहीं है। डीसीपी, एसपी को इसे लेकर सतर्क रहना चाहिए।

आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने के लिए एक पूर्ण मिशन नहीं है : इसरो

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि उसका पहला सौर खोज मिशन आदित्य-एल1 अंतरिक्ष में वैज्ञानिक पेलोड ले जाने वाले अंतरिक्ष यान के सीमित द्रव्यमान व ऊर्जा के कारण सूर्य का अध्ययन करने के लिए परिपूर्ण नहीं है। इसरो ने कहा, क्या आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने का एक पूर्ण मिशन है? इसका स्पष्ट उत्तर नहीं' है जो न केवल आदित्य-एल1 के लिए बल्कि सामान्य तौर पर अन्य किसी भी अंतरिक्ष मिशन के लिए परिपूर्ण मिशन नहीं है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, इसका कारण यह है कि अंतरिक्ष में वैज्ञानिक पेलोड ले जाने वाले अंतरिक्ष यान के सीमित द्रव्यमान, ऊर्जा और सीमित साधनों, सीमित क्षमता वाले उपकरणों के कारण केवल एक सीमित सेट ही अंतरिक्ष यान पर भेजा जा सकता है।

एजेंसी ने कहा आदित्य-एल1 के मामले में सभी पैमाने लैग्रेंज बिंदु एल1 से किए जाएंगे। उदाहरण के तौर पर सूर्य की विभिन्न घटनाएं बहु-दिशात्मक हैं और इसलिए रहस्यमयी विस्फोटक घटनाओं की ऊर्जा के बारे में पता लगाना अकेले आदित्य-एल1 के साथ अध्ययन करना संभव नहीं होगा। एल5 के रूप में जाना जाने वाला एक अन्य लैग्रेंज स्थल पृथ्वी निर्देशित सीएमई घटनाओं का अध्ययन करने और अंतरिक्ष मौसम का आकलन करने के लिए एक अच्छा सुविधाजनक स्थल है। ऐसे अध्ययनों के लिए अंतरिक्ष यान की कक्षाओं को मिलने वाली तकनीकी चुनौतियों के कारण सूर्य के ध्रुवीय क्षेत्रों का अच्छी तरह से अध्ययन नहीं किया जा सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 14 साल से कब्जा जमाए वकील को 60 दिन में इमारत खाली करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दोस्त के आवासीय भवन में 14 साल से काबिज एक वकील को 60 दिन में इमारत खाली करने का आदेश दिया है। वकील एल डोरेस्वामी ने वर्ष 2009 में अपने दोस्त कृष्णप्रसाद ए से उसके आवासीय भवन का भूतल तीन साल के लिए किराये पर लिया था, लेकिन उसने लगातार 14 साल तक कब्जा बरकरार रखा। अब अदालत ने उसे 60 दिन में भवन को खाली करने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति एच पी संदेश ने कहा कि समझौता तीन साल का था, लेकिन वर्ष 2009 में परिसर को अपने कब्जे में लेने के बाद प्रतिवादी ने करीब 14 साल तक इसे अपने पास रखा। अदालत ने अधिवक्ता डोरेस्वामी को निर्देश दिया कि वह आदेश की तारीख से 60 दिन के अंदर इमारत को खाली करें। अदालत ने प्रधिकारियों से कहा कि यदि (वह) ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो कानून के अनुरूप कब्जा किया जाए।

निचली अदालत ने डोरेस्वामी को परिसर से बेदखल करने की मांग वाली कृष्णप्रसाद की अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद कृष्णप्रसाद ए ने उच्च न्यायालय का रुख किया। उन्होंने 2009 में मल्लेश्वरम स्थित इमारत का भूतल 10 लाख रुपये के प्रतिभूति जमा (सिक्योरिटी डिपॉजिट) प्राप्त करने पर अपने वकील दोस्त को किराये पर दे दिया था। उन्होंने 3,400 रुपये किराया भी तय किया। संपत्ति पर कब्जे के तीन साल बाद वकील ने किराया देने में सक्षम नहीं होने पर अपने दोस्त से इसे जमा राशि में से काटने के लिए कहा। इस पर कृष्णप्रसाद (68) ने वर्ष 2016 में निचली अदालत का रुख किया और डोरेस्वामी को बेदखल करने का अनुरोध किया। लेकिन डोरेस्वामी ने किराया नियंत्रक का रुख किया जिसने मासिक किराया 21,000 रुपये तय किया। किराया नियंत्रक के आदेश के खिलाफ कृष्णप्रसाद की चुनौती को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स : 080-28094180 फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्न लिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ई-टीएन-44 2023-24 दिनांक 28.08.2023
कार्य का नाम	जलाहल्ली, बेंगलूरु में डॉस हाउसिंग कॉलोनी के परिसर से नगरपालिका ठोस कचरे का परिवहन।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 5.39 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	बारह (12) माह/विभाग के पास कार्य अनुबंध को आगे 24 माह तक बढ़ाने का अधिकार है।
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	29.08.2023 से 09.09.2023 तक
बोली स्पष्टीकरण	29.08.2023 से 09.09.2023 तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	11.09.2023 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	12.09.2023 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	13.09.2023 को 11.30 बजे से
ईएमडी	रु. 10,780/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक ने हुब्बल्ली का दौरा किया

महानिदेशक ने रेल सौधा में 'सुरक्षा सम्मेलन' की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने रेलवे-सुरक्षा प्रयासों में नवीनतम तकनीक को अपनाने का आह्वान करते हुए यात्री सुरक्षा, सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के प्रमुख अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। हाल ही में महानिदेशक (आरपीएफ) का पदभार ग्रहण किए मनोज यादव ने सोमवार को हुब्बल्ली का दौरा किया। आरपीएफ प्लाटून द्वारा यादव को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। महानिदेशक ने गदग में 12 बिस्तरों वाले नवनिर्मित आरपीएफ बैरक का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण आरपीएफ कर्मचारियों के आवास के लिए 71 लाख की लागत से किया गया था।

यहां रेल सौधा में दपरे के आरपीएफ कर्मचारियों के लिए सुरक्षा सम्मेलन आयोजित किया जिसमें आरपीएफ/दपरे के 120 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सुरक्षा सम्मेलन के दौरान, महानिदेशक/आरपीएफ ने तनाव प्रबंधन, स्वास्थ्य अनुशासन सहित विभिन्न मुद्दों पर जोर दिया और बल के सदस्यों से यात्रा करने वाले यात्रियों की भलाई के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने जनशक्ति की कमी को दूर करने, बेहतर परिणाम, अच्छे काम से सकारात्मक छवि निर्माण आदि के लिए आधुनिक तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। इस मौके पर दपरे आरपीएफ के आईजी सह पीसीएससी आरएसपी सिंह, मुख्य सुरक्षा आयुक्त विजयकुमार खातरकर, मंडल सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ हुब्बल्ली डिवीजन के जेके शर्मा आदि उनके साथ उपस्थित थे।

बाद में दपरे के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने पीएचओडी के साथ सुरक्षा और दपरे से संबंधित विभिन्न एसएंडटी परियोजनाओं सहित दपरे की एक झलक और प्रदर्शन दिया। उन्होंने केपीआई (प्रमुख प्रदर्शन सूचकांक) के मामले में पहले स्थान पर पहुंचने के लिए दपरे के प्रदर्शन की सराहना की, जो कि रेलवे जोन के प्रदर्शन को मापने की एक जटिल प्रणाली है, जो पिछले साल 16वें स्थान से मार्च 2023 में सभी जोनों में पहले स्थान पर पहुंच गया। यादव ने महाप्रबंधक संजीव किशोर को उनके नेतृत्व और इसे हासिल करने की पहल के लिए बधाई दी। अपनी सफल यात्रा के बाद डीजी यादव नई दिल्ली की ओर रवाना हो गए।

कोटा छात्र आत्महत्या प्रकरण

कलेक्टर, कोचिंग संस्थानों के साथ बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/जयपुर।कोटा में एनईईटी के दो अभ्यर्थियों की आत्महत्या के एक दिन बाद, राजस्थान सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को वहां के जिला कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कोचिंग संस्थानों और हॉस्टल एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में शामिल होने वाले अन्य अधिकारियों में कोटा के जिला कलेक्टर ओ पी बुनकर, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) राजकुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भगवत सिंह हैं। देथा इस मुद्दे पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर गठित एक समिति के अध्यक्ष भी हैं। समिति जल्द ही कोटा का दौरा भी करेगी। गहलोत ने 18 अगस्त को सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक की थी और समिति बनाने का निर्देश दिया जो 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक विद्यार्थी कोटा पहुंचते हैं। शहर में रविवार को चार घंटे के अंतराल में दो छात्रों ने अपनी जान दे दी। अधिकारियों के अनुसार कोटा जिले में 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था।

कोटा में कोचिंग संस्थानों को नीट, जेईई अभ्यर्थियों के नियमित टेस्ट पर रोक लगाने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के प्राधिकारियों ने कई छात्रों की आत्महत्या के मद्देनजर कोचिंग संस्थानों से अगले दो महीने तक नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के नियमित टेस्ट नहीं कराने को कहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के वास्ते होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए देशभर से हर साल दो लाख छात्र-छात्राएं कोटा आते हैं।

प्राधिकारियों के अनुसार, 2023 में अभी तक जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार कर रहे 22 छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है, जो किसी भी वर्ष में आत्महत्या के सबसे अधिक मामले हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था। रविवार को चार घंटे के भीतर दो छात्रों ने अपनी जान ले ली। पुलिस के मुताबिक, अविष्कार संभाजी कासले (17) ने रविवार अपराह्न करीब 3.15 बजे जवाहर नगर में अपने कोचिंग संस्थान की इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। कासले ने कुछ मिनट पहले ही कोचिंग संस्थान की तीसरी मंजिल पर एक परीक्षा दी थी।

पुलिस के अनुसार, कासले की मौत के चार घंटे बाद नीट की ही तैयारी कर रहे आदर्श राज (18) ने शाम करीब सात बजे कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र स्थित अपने किराये के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों छात्रों के आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाने के पीछे की वजह कोचिंग संस्थानों द्वारा लिए जाने वाले नियमित टेस्ट के दौरान कम अंक पाने के कारण अभ्यर्थियों का दबाव में होना बताया जा रहा है। कोटा के जिलाधीश ओ पी बंकर ने रविवार रात जारी एक आदेश में कोचिंग संस्थानों से अगले दो महीने के लिए नियमित टेस्ट पर रोक लगाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को मानसिक सहयोग देने के लिए यह निर्देश जारी किया गया है।

कोचिंग संस्थानों के लिए नीति बनाए केंद्र सरकार : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के एक मंत्री ने कोटा में छात्रों के आत्महत्या बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वित्तीय बोझ छात्रों में तनाव के कारणों में से एक है और केंद्र को एक नीति बनानी चाहिए ताकि अभिभावकों को अपने बच्चों की कोचिंग आदि के लिए कर्ज न लेना पड़े। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने जयपुर में संवाददाताओं से कहा,पढ़ाई का दबाव है। इसके अलावा, कई छात्रों पर यह दबाव होता है कि उनके माता-पिता ने उनकी पढ़ाई के लिए पैसे उधार लिए हैं और अगर वे कामयाब नहीं हुए तो उनके माता-पिता का क्या होगा।

उन्होंने कहा कि छात्र घर और माता-पिता से दूर रहते हैं और ऐसे सभी कारकों से तनाव व दबाव पैदा होता है जिसके चलते उनके द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाए जाते हैं। जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार को कोचिंग संस्थानों को लेकर एक नीति बनानी चाहिए और ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें अभिभावकों को कर्ज लेने की जरूरत न पड़े क्योंकि यह भी छात्रों पर दबाव का एक बड़ा कारण है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक छात्र कोटा शहर जाते हैं। शहर में रविवार को चार घंटे के भीतर दो छात्रों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अधिकारियों के अनुसार कोटा जिले में 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जयपुर से सात नए गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान शुरू होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सात नये गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें आगामी शीतकाल में शुरू होने की संभावना है। एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी निजी विमानन कंपनियों ने आगरा, खजुराहो, वाराणसी, बागडोगरा, जैसलमेर, भोपाल और पटना के लिए नयी उड़ानें शुरू करने में दिलचस्पी जताई है।

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा, विमानन कंपनियों ने सर्दियों के मौसम में सात नये गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करने में रुचि दिखाई है। राजस्थान में यात्री आवागमन लगातार बढ़ रहा है और सर्दियों में इसमें काफी वृद्धि होने की उम्मीद है, जब राज्य में पर्यटन चरम पर होता है। अधिकारी के मुताबिक, आगरा, खजुराहो, वाराणसी, जैसलमेर, बागडोगरा जैसे नये वायुमार्ग पर्यटन के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण हैं और इन तक सीधी 'कनेक्टिविटी' उपलब्ध कराने से स्थानीय पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। 'समर शेड्यूल' में पहले भोपाल और पटना के लिए सीधी 'कनेक्टिविटी' की घोषणा की गई थी, लेकिन कुछ तकनीकी समस्या के कारण इंडिगो परिचालन नहीं कर सकी। कंपनी अब सर्दियों के मौसम में दोनों वायु मार्ग पर परिचालन शुरू करेगी। पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण जैसलमेर के लिए सीधी उड़ान हर साल सर्दियों की शुरुआत से लेकर गर्मियों की शुरुआत तक जारी रहती है। दूसरी ओर, जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले साल की तुलना में इस साल अप्रैल से जुलाई तक यात्रियों की संख्या में 26.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान लगभग 17.36 लाख यात्रियों ने जयपुर हवाई अड्डे से यात्रा की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13.72 लाख से कहीं अधिक है।

जीवन में कभी भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। केन्द्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि भारत के चंद्रयान मिशन से यह संदेश मिलता है कि हमें जीवन में कभी भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए। यदि हमारे भीतर जिद और संकल्प हो तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। मेघवाल आज राजस्थान के अजमेर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केंद्र 2 सभागृह में आयोजित रोजगार मेले के अवसर पर नयी नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 250 ऐसे अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किये जो अर्द्धसैनिक बलों में अब सेवाएं देंगे। इस अवसर पर मंच पर सांसद भगीरथ चौधरी, विधायक अनिता भेदल व वासुदेव देवनानी, महापौर ब्रजलता हाड़ा, उपमहापौर नीरज जैन, सीआरपीएफ के आईजी विक्रम सहगल, डीआईजी ए.के. सिंह व संजय यादव, कमांडेंट मोहन प्रकाश, डिप्टी कमांडेंट सुरेंद्र सिंह व राधाकृष्णन इत्यादि उपस्थित थे। मेघवाल ने कहा कि चंद्रमा से हमारी देश की मातृशक्ति का सबसे ज्यादा लगाव रहा है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि चंद्रयान तीन की सफलता में इसरो की महिला वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं का यह कर्तव्य है कि अपनी आने वाली पीढ़ी को वे प्रदूषण मुक्त देश सौंपे। इसके लिए उन्होंने हर पूर्णिमा को रात को घर की लाइट बंद करके चंद्र प्रकाश में समय गुजारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अब विभिन्न क्षेत्रों में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी विकसित देश अपनी सेटेलाइट अंतरिक्ष में भेजने के लिए भारत से संपर्क कर रहे हैं। इसके अलावा देश ऑटो मोबाइल, फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रारंभ में सीआरपीएफ के आईजी विक्रम सहगल ने केंद्रीय मंत्री एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सीआरपीएफ संपूर्ण विश्व में सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है। यह देश की एकता एवं अखंडता के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के कुशल प्रबंधन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर विधायक अनिता भदेल, वासुदेव देवनानी तथा महापौर ब्रजलता हाड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।उल्लेखनीय है कि देश के 45 शहरों में आयोजित रोजगार मेले के आठवें संस्करण में अर्धसैनिक बलों में कुल 51,106 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। राजस्थान में अजमेर तथा जोधपुर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। देश में अब तक पिछले करीब एक वर्ष में पाँच लाख से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।

गहलोत ने दी स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। गहलोत ने नीरज चोपड़ा को बधाई देते हुए कहा कि बुडापेस्ट में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर दुनिया में भारत का नाम स्वर्ण सा रोशन कर दिया है। उन्होंने कहा इस ऐतिहासिक उपलब्धि की हार्दिक बधाई, हम सभी को आप पर नाज है।

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने भी नीरज चोपड़ा को उनके इस ऐतिहासिक खेल प्रदर्शन पर बधाई और स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय एथलेटिक्स के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत पुन: इतिहास रचा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे गौरवमय क्षण बताते हुए विश्व पटल पर फिर भारत का तिरंगा लहराने वाले नीरज चोपड़ा को हार्दिक बधाई दी। डोटासरा ने कहा कि नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपिनशिप में भारत के लिए प्रथम स्वर्ण पदक हासिल करके इतिहास रचा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं में राजस्थान बना मॉडल स्टेट : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि उसकी नीतियों और इण्डस्ट्री फ्रेंडली माहौल से प्रदेश में निवेश बढ़ा है और कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। गहलोत सोमवार को जोधपुर के बासनी में मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के जगशांति सभागार एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने यहां एंटरप्रेन्योर लोगो का अनावरण भी किया। गहलोत ने कहा कि 11.04 प्रतिशत जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान का उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा एवं सराहना पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, महंगाई राहत कैम्प, ओपीएस बहाली, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। आगे भी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

गहलोत ने कहा कि हम सभी ने मिलकर पांच वर्षों में राजस्थान की प्रगति को गुना बढ़ाया है। अब इसे 10 गुना बढ़ाने और राजस्थान को हर क्षेत्र में देश का सिरमौर बनाने की दिशा में मिशन-2030 का शुभारम्भ किया है। राज्य सरकार एक करोड़ लोगों से सुझाव और सलाह लेकर विजन 2030 डॉक्यूमेंट जारी करेगी। इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने उद्यमियों सहित प्रदेशवासियों से उन्नत और खुशहाल राजस्थान के लिए बहुमूल्य सुझाव-विचार देने का आह्वान किया। इसके लिए वेबसाइट उपेपवद2030ण्तंरेंजींदण्हवअण्पद के माध्यम से सुझाव दिए जा सकते है।

आधुनिक सुविधाओं वाले जगशांति सभागार से उद्यमियों को अपने सेमिनार एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने में आसानी होगी। वहीं इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के सदस्य हस्ती पेट्रोकेमिकल एंड शिपिंग लि. के रुचिर पारेख द्वारा लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर के निर्माण से उद्यमियों और कर्मचारियों को उच्च प्रशिक्षण मिलेगा।

कांग्रेस के लिए बहुत अच्छा माहौल : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। असम के सांसद और राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं के संदर्भ में सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के कारण राज्य में पार्टी के लिए अच्छा माहौल है।

गोगोई ने दावा किया कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में सत्ता बरकरार रखेगी। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में पार्टी के लिए बहुत माहौल अच्छा है। राज्य सरकार काम कर रही है और हम दोबारा सरकार बनाने जा रहे हैं।

गोगोई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के लिए यहां कांग्रेस कार्यालय 'वॉर रूम' पहुंचे। समिति के सदस्य अभिषेक दत्त और गणेश गोडियाल भी गोगोई के साथ थे। बैठक के लिए मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, बीडी कल्ला, महेश जोशी और अन्य नेता भी पहुंचे।

कांग्रेस के शासन में वैज्ञानिकों को जेल भेजा जाता था : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी पी जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में वैज्ञानिकों के खिलाफ साजिश रची जाती थी और उन्हें जेल भेज दिया जाता था। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा, जिन्होंने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने के इसरो के सफल अभियान का श्रेय वैज्ञानिकों के साथ पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार के शासनकाल में पहली बार वैज्ञानिक समुदाय को उचित सुविधाएं और संसाधन प्रदान किये गये। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, अनेक प्रधानमंत्री आये और गये। लेकिन पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में वैज्ञानिकों को संसाधन और सुविधाएं प्रदान की गयीं और भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश बना। जोशी ने आरोप लगाया, कांग्रेस के शासनकाल में वैज्ञानिकों को कोई सुविधा नहीं मिलती थी और उन्हें साजिश रचकर जेल भेज दिया जाता था। जोशी ने कहा, इन दिनों गहलोत को 'रेड डायरी' का और चुनाव हार जाने का डर है। कांग्रेस के शासनकाल में हुए काले कारनामे और भ्रष्टाचार छिपाने के लिए वह इस तरह के बयान देते हैं। लेकिन जनता सच जानती है और कांग्रेस को नहीं छोड़ेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि अगर उन्हें 'रेड डायरी' का डर नहीं था तो उनकी सरकार में मंत्री राजेंद्र गुढा को क्यों हटाया गया।

राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जुलाई 2020 में आयकर छापे के दौरान कांग्रेस नेता धर्मेंद्र राठौड़ के आवास से जो लाल डायरी उन्होंने हासिल की थी, उसमें गहलोत के वित्तीय लेनदेन का विवरण था। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

जोधपुर में जगशांति सभागार एवं स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर के बासनी में मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के जगशांति सभागार एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां एंटरप्रेन्योर ''लोगो'' का अनावरण भी किया। गहलोत ने समारोह में कहा कि औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

हमारी नीतियों और इण्डस्ट्री फ्रेंडली माहौल से प्रदेश में निवेश बढ़ा है। साथ ही, कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि 11.04 प्रतिशत जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान का उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा एवं सराहना पूरे देश में हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, महंगाई राहत कैम्प, ओपीएस बहाली, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। आगे भी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कांवड़ियों की मौत

अजमेर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अजमेर के निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम तिलोरा के निकट बाड़ी घाटी के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से दो कावड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नजदीकी टंकी पूरा थांवला के 15 से 20 कावड़िये पुष्कर पवित्र सरोवर का जल लेकर रात 12 बजे थांवला के लिये रवाना हुए , जहां थांवला शिवालय में आज सावन के आखरी सोमवार को शिवाभिषेक तथा सहस्त्रधारा करना था लेकिन रात दो बजे बाद किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो कावड़िये हादसे के शिकार हो गये। घटना की सूचना पर पुष्कर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को रात ही राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया । मृतकों में हेमराज बावरी (16) तथा गणपतलाल बावरी (25) थांवला निवासी हैं । घटना में मौत की सूचना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया।

असम में पांच करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

तिनसुकिया(असम)/भाषा। असम के तिनसुकिया जिले में पांच करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए विशेष कार्य बल और जिला पुलिस के एक संयुक्त दल ने काकोपाथर इलाके के गोंडहुइगुरी तिनियाली में रविवार रात एक वाहन को रोका जिसमें तीन लोग सवार थे। तलाशी में उनके कब्जे से 700 ग्राम मादक पदार्थ, 13,950 रुपए नगद और पांच मोबाइल फोन बरामद हुए जिन्हें जब्त कर लिया गया। जब्त की गई सामग्री को 57 साबुन के डिब्बों से बरामद किया गया, जो वाहन में दो गुप्त स्थानों पर छुपाए गए थे। उन्होंने कहा कि सभी तीन आरोपी करीमगंज जिले के रहने वाले हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैदुल इस्लाम ने बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी के लिए शहर एक पारगमन बिंदु बन गया है और इंजेक्शन से मादक पदार्थ लेने के कारण इसकी पहचान 'एचआईवी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र' के रूप में की गई है।

हमारी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, हम सबको एकजुट करना चाहते हैं : नीतीश कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का संयोजक बनाए जाने संबंधी अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है और वह सबको एकजुट करना चाहते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि वह चाहेंगे कि किसी और को विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनाया जाए।

जद (यू) के शीर्ष नेता नीतीश से पूछा गया था कि क्या मुंबई में विपक्षी गठबंधन की आगामी बैठक में उन्हें, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का संयोजक बनाया जा सकता है? उन्होंने कहा, हमको कुछ नहीं बनना है। हम यह बराबर कहते रहे हैं। संयोजक दूसरे लोगों को बनाया जाएगा। हमारी कोई इच्छा नहीं है। हम सबको एकजुट करना चाहते हैं। हम तो सबका हित चाहते हैं इसलिए यह कभी मत सोचिए कि हम लोग कुछ चाहते हैं। हम सबको एकजुट कर रहे हैं। भाजपा के विरोधी विभिन्न दलों को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने रविवार को यह भी कहा था कि मुंबई में अगली बैठक के दौरान 'कुछ और' राजनीतिक दलों के विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की संभावना है। उन्होंने इन दलों के नाम का खुलासा नहीं किया था।

झारखंड में पांच पशु तस्कर पकड़े गए

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले से ओडिशा के एक व्यक्ति सहित पांच लोगों को पशु तस्करी में शामिल होने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घाटशिला अनुमंडल के गुराबंद थाने के पुलिस दल ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपियों को 24 गोवंश के साथ पकड़ा, जिन्हें तस्करी कर जिले से बाहर ले जाया जा रहा था। गुराबंद थाने के प्रभारी अधिकारी परवेज आलम ने बताया कि गोवंश ओडिशा से खरीदे गए थे और इन्हें पश्चिम बंगाल के एक बाजार में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन पुलिस दल ने पांचों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। आलम के मुताबिक, सभी गोवंश चाकुलिया गौशाला के अधिकारियों को सौंप दिए गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों को घाटशिला की एक अदालत में पेश किया गया।

भारत को 10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा: गावस्कर

मुंबई/भाषा। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, शतरंज के उदीयमान खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा और बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि भारत को अगले 10-15 वर्षों में खेल राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा। चोपड़ा रविवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने जबकि 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा ने पिछले सप्ताह विश्व कप के फाइनल में जगह बना कर इतिहास रचा। प्रणय ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और इस दौरान विश्व के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन को हराया।

गावस्कर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, इससे पहले आपने देखा होगा कि केवल कुछ खेलों पर ही चर्चा होती थी और इन्हीं खेलों को मीडिया में कवरेज मिलती थी। उन्होंने कहा, लेकिन अब सभी खेलों को लेकर चर्चा होती है और इन खेलों को भी पर्याप्त कवरेज मिलती है। हमें इन खेलों में नए स्टार खिलाड़ी मिल रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर बुडापेस्ट में चोपड़ा को विश्व चैंपियन बनते देखकर खुशी से झूम उठे थे। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब उन्होंने (चोपड़ा) टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता तब भारत और इंग्लैंड के बीच शृंखला चल रही थी। मैं इंग्लैंड से देख रहा था और जैसे ही चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता तो मैं गीत गाने लगा, मेरे देश की धरती सोना उगले कल भी मुझे ऐसा ही एहसास हुआ।

गावस्कर ने कहा,''हमने दो साल पहले नीरज को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतते हुए देखा था। विश्व चैंपियनशिप में पिछले साल उन्होंने रजत पदक जीता लेकिन उनके लिए स्वर्ण पदक जीतना महत्वपूर्ण था और वह इसमें सफल रहे। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ बैडमिंटन में प्रणय सेमीफाइनल में पहुंचे और उन्होंने विक्टर एक्सेलसेन को हराया। अगर आप अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को खेल राष्ट्र मानते हो तो मुझे लगता है कि 10-15 वर्षों में भारत को भी खेल राष्ट्र कहा जाएगा। उन्होंने प्रज्ञाननंदा की प्रशंसा करते हुए कहा, वह उपविजेता रहा। वह अभी केवल 18 वर्ष का है और भविष्य में कई खिताब जीत सकता है।

मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ सेवा : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन का अर्थ देश की सेवा, अच्छा प्रशासन,गरीबों का कल्याण तथा देश का बेहतर भविष्य तैयार करना है। केन्द्रीय मंत्री ने यहां चद्रायनगुड्डा में सीआरपीएफ द्वारा आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम में नवनियुक्त रंगरूटों को संबोधित करते हुए कहा कि आज सरकार में होने का मतलब सेवा, सुशासन और कमजोर लोगों के कल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने कहा, यह अधिकार,शक्ति अथवा नियंत्रण के बार में नहीं है..।

चंद्रशेखर ने कहा कि 2014 के पहले भारत में सरकार अथवा शासन के बारे में ऐसा माना जाता था कि ये ठीक से काम नहीं कर पाते है,यह भ्रष्ट है,यह सिर्फ उनके लिए है जिनके कोई सरपरस्त है। उन्होंने कहा, इसीलिए सरकारी नौकरियों की अवधारणा का एक बेहद भिन्न अर्थ है। आज सरकारी नौकरियां भारत के लोगों को सेवाएं देने के बारे में हैं, युवाओं को सफल बनाना सुनिश्चित कर रही हैं,देश को दुश्मनों से बचा रही हैं। यह सार्वजनिक सेवा और राष्ट्रीय सेवा के बारे में है, न कि अधिकार, नियंत्रण और शोषण के बारे में जैसा कि यह पहले होती थी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 2014 की शुरुआत से ही देश के युवाओं के लिए नए तथा अधिक अवसर सृजित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में अवसर पैदा हुए हैं, फिर चाहे वह कृषि, हस्तशिल्प या पारंपरिक क्षेत्र हो या फिर स्टार्टअप और डिजिटल पारिस्थितिकी जैसे नए क्षेत्र।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश के युवा आज समृद्ध, विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।

चंद्रशेखर ने कहा कि, आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और ये सब कुछ इस वजह से संभव हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान अधिक निवेश लाने, विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने साथ ही युवा पीढ़ी के लिए अधिक अवसर पैदा करने पर है।

केन्द्रीय मंत्री ने नवनियुक्त कैडर को नियुक्त पत्र बांटे।

रोजगार मेला को लेकर प्रधानमंत्री को निशाना बनाने पर जयराम को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर निशाना साधते हुए उन्हें 'स्पिनमास्टर' करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों को कमतर करने के लिए 'जुमला' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चंद्रशेखर की यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव रमेश के उस बयान पर आई है, जिसमें उन्होंने रोजगार मेलों को 'सबसे बड़ा जुमला' करार देते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में 'असफल' रहे हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहने के बाद... नोटबंदी, गलत तरीके से तैयार जीएसटी और बिना किसी तैयारी के अचानक लॉकडाउन लगाकर एमएसएमई (लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम) क्षेत्र को बर्बाद करने के बाद...नौ साल से अधिक समय तक युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फेरने के बाद... प्रधानमंत्री चुनावी वर्ष में मुश्किल स्थिति में हैं। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि रमेश पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन की 'फ्लॉप भूमिकाओं' में कदम रख रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा, वह (जयराम रमेश) चिदंबरम और रघुराम की 'असफल भूमिका' निभाना चाहते हैं। वह प्रधानमंत्री की सरकार की उपलब्धियों को जुमला बता रहे हैं।

भाजपा सांसद ने पटनायक से 'राजधर्म' का पालन करने को कहा

भुवनेश्वर/भाषा। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से 'राजधर्म' का पालन करने तथा धृतराष्ट्र न बनने को कहा। सारंगी पर भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाले अथंत्रा इलाके के दौरे के दौरान 'मिशन शक्ति' की सदस्यों ने अंडों और पत्थरों से कथित तौर पर हमला किया था। सारंगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, महिला सशक्तिकरण के नाम पर ओडिशा राज्य सरकार उस महिला सांसद पर हमला करने के लिए मिशन शक्ति की महिलाओं का इस्तेमाल कर रही है जिसे लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोजगार मेले को 'नौटंकी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रोजगार के अवसरों के कथित अभाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोमवार को आलोचना करते हुए कहा कि वह रोजगार मेला इसलिए आयोजित कर रहे हैं, क्योंकि वह अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर असहज महसूस कर रहे हैं और अपनी छवि बचाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह रोजगार मेले के दौरान युवाओं को खासकर सुरक्षा बलों में नियुक्ति के लिए 51,000 से अधिक पत्र वितरित किए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रोजगार मेलों को सबसे बड़ा जुमला करार दिया और दावा किया कि प्रधानमंत्री हर साल दो करोड़ नौकरी पैदा करने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहे हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, हर साल दो करोड़ नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में असफल रहने के बाद...नोटबंदी, गलत ढंग से तैयार जीएसटी और बिना किसी तैयारी के अचानक लॉकडाउन लगाकर एमएसएमई क्षेत्र को बर्बाद करने के बाद... नौ साल से अधिक समय तक युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फेरने के बाद... प्रधानमंत्री चुनावी वर्ष में मुश्किल स्थिति में है। उन्होंने कहा, वह अपनी बिगड़ती छवि को बचाने के लिए सबसे बड़े जुमलों में से एक- 'प्रधानमंत्री रोजगार मेला' लेकर आए हैं। रमेश ने दावा किया कि रोजगार मेलों में जो नौकरियां मिल रही हैं, वे पहले से ही स्वीकृत पदों पर मिल रही हैं, जिन्हें प्रशासनिक या वित्तीय कारणों से वर्षों से भरा नहीं गया था। उन्होंने कहा कि बहुत बड़ी संख्या में पदोन्नति के मामलों में भी प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इन मेलों के माध्यम से शासन का व्यक्तिगत इस्तेमाल हो रहा है। ऐसा दिखाया जा रहा है कि मानो ये नियमित नौकरियां प्रधानमंत्री की ही वजह से मिल रही हैं, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रोजगार सृजन आर्थिक विकास से होता है, जिसके लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होती है।

कभी नहीं कहूंगा कि मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ भारतीय 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट हूं : चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट/भाषा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीरज चोपड़ा भारत के सर्वकालिक महान खिलाड़ी बन गए हैं लेकिन इसका जिक्र होते ही रविवार को विश्व चैम्पियन बना यह एथलीट असहज हो जाता है। चोपड़ा ने रविवार की रात बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किया। वह ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट भी हैं। भाला फेंकने के साथ वह अपनी विनम्रता के लिए भी काफी मशहूर हैं।

भारत का सर्वकालिक 'ट्रैक एवं फील्ड' एथलीट कौन है, इसमें (उनके नाम पर) कोई शक नहीं है लेकिन चोपड़ा इस बहस में शामिल नहीं होना चाहते। चोपड़ा ने कहा, मैं कभी भी ऐसा नहीं कहूंगा, सर्वकालिक महान खिलाड़ी। लोग कहते कि बस विश्व चैम्पियनशिप पदक की कमी है। मैंने अब यह जीत लिया है लेकिन मुझे अभी काफी चीजें करनी है और मैं उन पर ध्यान लगाऊंगा। मैं ऐसा (सर्वकालिक महानतम) नहीं कहना चाहूंगा। उन्होंने भाला फेंक स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के संदर्भ में बताते हुए कहा, अगर आप सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी कहना चाहते हो तो वह जान जेलेज्नी जैसा एथलीट ही होगा। जेलेज्नी चेक गणराज्य के महानतम भाला फेंक एथलीट हैं, जिनके नाम 98.48 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है। वह तीन ओलंपिक और तीन विश्व चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। वह चोपड़ा के आदर्श भी हैं। इस 25 साल के भाला फेंक एथलीट को लगता है कि विश्व चैम्पियनशिप ओलंपिक की तुलना में मुश्किल होती है। चोपड़ा ने कहा, ओलंपिक बहुत ही विशेष था और विश्व चैम्पियनशिप बड़ा खिताब है। अगर आप प्रतिस्पर्धा की बात करोगे तो विश्व चैम्पियनशिप हमेशा ओलंपिक से कठिन है। सभी खिलाड़ी के लिए तैयार होकर आते हैं। उन्होंने कहा, काफी लोग भारत से यहां आते हैं और स्थानीय लोगों का समर्थन भी शानदार था। इसलिए यह जीत विशेष है। चोपड़ा ने अपने साथी किशोर कुमार जेना और डीपी मनु की प्रशंसा की जो शीर्ष आठ में रहने में सफल रहे। चोपड़ा ने कहा, किशोर जेना (पांचवें स्थान पर रहे) और डीपी मनु (छठे स्थान पर रहे) ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी एथलेटिक्स अब आगे बढ़ रही है। लेकिन अभी काफी काम करना होगा।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने किशोर जेना को 25 लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की जो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले ओडिशा के पहले खिलाड़ी हैं। जेना रविवार को बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने 84.77 मीटर के प्रयास के साथ अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। पटनायक ने कहा, किशोर जेना की उल्लेखनीय यात्रा और बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में असाधारण प्रदर्शन ने ना केवल हमारे राज्य और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है, बल्कि वह आने वाले वर्षों में कई एथलीटों को प्रेरित भी करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चैंपियनशिप में उनकी भागीदारी ना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उस खेल कौशल और प्रतिभा को भी दर्शाती है जो ओडिशा दुनिया को दे सकता है।

'झूठे सबूतों के साथ मुझे फंसा रही है ईडी'

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हालिया छापेमारी के दौरान कंप्यूटरों में झूठे सबूत डाले और कहा कि कोई भी धमकी उन्हें नई दिल्ली में सत्ता के सामने सिर झुकाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने कहा कि जब वह इलाज के लिए विदेश यात्रा पर थे, तो पश्चिम बंगाल में अफवाह फैला दी गई कि वह देश वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, मेरे लौटने के एक दिन बाद, ईडी अधिकारियों को छापे के लिए भेजा गया। छापे के दौरान, उन्होंने 16 फाइल एक कंप्यूटर में डाउनलोड कीं। अब, यदि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अगले सात दिनों बाद उसी स्थान पर आता है और उसे वे फाइल मिलती हैं, तो बदनाम करने का अभियान शुरू हो जाएगा।

बनर्जी का इशारा स्कूल नौकरी घोटाले की जांच के सिलसिले में 21 अगस्त को कोलकाता और उसके आसपास के कई स्थानों पर आठ घंटे से अधिक समय तक ईडी की छापेमारी की ओर था।

जिन स्थानों पर छापे मारे गए उनमें शहर के दक्षिणी हिस्से में न्यू अलीपुर इलाके स्थित एक निजी कंपनी का कार्यालय भी शामिल था।

भाजपा ने बंगाल में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट की एनआईए से जांच कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने उत्तर 24 परगना जिले में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराने की सोमवार को मांग की। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी। भाजपा विधायकों ने रविवार को हुई इस घटना के विरोध में सोमवार को विधानसभा से बहिर्गमन किया।

अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, सभी सबूत नष्ट होने से पहले राज्य सरकार को घटना की जांच तत्काल एनआईए को सौंप देनी चाहिए। हमने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दाखिल की है। भाजपा नेता ने कहा कि जब तक आरोपों में विस्फोटक पदार्थ कानून की धाराएं शामिल नहीं की जातीं, केंद्र स्वत: संज्ञान लेते हुए एनआईए को जांच नहीं सौंप सकता। भाजपा घटना पर विधानसभा में चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश करना चाहती थी, लेकिन विधानसभाध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने पार्टी को केवल इसे पढ़ने की अनुमति दी। बहिर्गमन से पहले भाजपा विधायकों ने सदन में करीब 10 मिनट तक नारेबाजी की और घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बयान देने की मांग की। भाजपा के मुख्य सचेतक मनोज तिग्गा सहित पार्टी विधायकों ने हंगामा किया और सदन से बाहर निकलते समय कामकाज की सूची वाले कागजात फाड़ दिए।

अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले में मृतक संख्या बढ़कर नौ हुई, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट मामले में तालाब से एक और व्यक्ति का सिर कटा शव बरामद होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर नौ हो गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि विस्फोट के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के मुताबिक, दत्तापुकुर थाना क्षेत्र के नीलगंज के मोशपोल में सोमवार को हालात शांतिपूर्ण रहे।

मलेशिया को हराकर भारत महिला हॉकी 5 फाइनल में, 2024 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सालालाह (ओमान)/भाषा। कप्तान नवजोत कौर की हैट्रिक की बदौलत भारत ने यहां महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया को 9-5 से शिकस्त दी और टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई करने में सफल रहा।

नवजोत (सातवें, 10वें और 17वें मिनट) ने हैट्रिक लगाई जबकि मारियाना कुजुर (नौवें, 12वें मिनट) और ज्योति (21वें और 26वें मिनट) ने दो दो गोल दागे। वहीं मोनिक्का दिपी टोप्पो (22वें मिनट) और महिमा चौधरी (14वें मिनट) ने एक एक गोल किए। मलेशिया के लिए जैती मोहम्मद (चौथे और पांचवें मिनट), डियान नजेरी (10वें और 20वें मिनट) और अजीज जाफिराह (16वें मिनट) में गोल किए। हॉकी फाइव्स विश्व कप का शुरुआती चरण अगले साल 24 से 27 जनवरी तक मस्कट में खेला जाएगा। भारत ने मैच में तेज शुरुआत की लेकिन मलेशिया ने जैती मोहम्मद के जरिये बढ़त बना ली। एक मिनट बाद इसी खिलाड़ी ने मैदानी गोल से इसे दोगुना कर दिया। भारत ने दो मिनट बाद नवजोत के गोल से अंतर कम किया और फॉर्म में चल रही कुजुर ने फिर भारत को 2-2 से बराबरी दिलाई।

दोनों टीमें लगातार हमले कर रही थीं, मलेशिया ने नाजेरी के जरिये बढ़त बनाई। भारत ने तुरंत जवाबी हमले किए और तेजी से दो गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। नवजोत और कुजुर ने भारत के लिए गोल किए। पहले हाफ में एक मिनट का समय बचा था और महिमा चौधरी ने बढ़त 5-3 करने में मदद की। दूसरे हाफ में दोनों टीमें आक्रामक थीं और खतरनाक दिख रही थीं।

2 महीने में इस टीम के साथ यादें बनाना चाहता हूं: रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोहित शर्मा स्वदेश में होने वाले विश्व कप से जुड़े भारी दबाव को समझते हैं लेकिन भारतीय कप्तान खुद को बाहरी बातों से दूर रखना चाहते हैं क्योंकि वह एक दशक में देश के लिए पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की कठिन यात्रा पर निकल रहे हैं।

भारत के 36 वर्षीय कप्तान के कंधों पर एक अरब से अधिक लोगों की उम्मीदों का बोझ है और उन्हें पता है कि पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू हो रहे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में क्या दांव पर लगा रोहित ने कहा, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं खुद को सहज रखूं और उन बाहरी तत्वों के बारे में चिंता नहीं करूं जो सकारात्मक या नकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं उस चरण में जाना चाहता हूं जिसमें मैं 2019 विश्व कप से पहले था। पिछले टूर्नामेंट में अभूतपूर्व पांच शतक के साथ 648 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे रोहित ने कहा, मैं मानसिक रूप से काफी अच्छी स्थिति में था और टूर्नामेंट के लिए काफी अच्छी तैयारी की थी। उन्होंने कहा, मैं अच्छी लय, मानसिकता में था। मैं इसे वापस लाना चाहता हूं और मेरे पास ऐसा करने के लिए समय है। उन सही चीजों को दोहराने की कोशिश कर रहा हूं जो एक क्रिकेटर और एक व्यक्ति के रूप में 2019 विश्व कप से पहले मैं कर रहा था।

सुविचार

जो इंसान हार के डर से कभी आगे नहीं बढ़ता, वो इंसान जीवन में कभी कामयाब नहीं हो सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़लत नीतियों का परिणाम

अमेरिका में एच1-बी वीजा पर काम करने वाले एक पाकिस्तानी डॉक्टर का आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की मदद करने और 'लोन वुल्फ' हमला करने की कोशिश में लिप्त पाया जाना इस देश के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। दुनिया को उदारवाद पर उपदेश देने वाला अमेरिका आज खुद अपनी ग़लत नीतियों के कारण कई समस्याओं का सामना कर रहा है। उसने पाकिस्तान का अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया, उस पर खूब डॉलर लुटाए। एक तरह से उसने अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद की आग में तेल डाला। अब यह आग उसके घर तक आ पहुंची है। मुहम्मद मसूद नामक उक्त पाकिस्तानी डॉक्टर सिर्फ 31 साल का है। वह एच1-बी वीजा लेकर अमेरिका आया था, जिसे हासिल करना बहुत मुश्किल माना जाता है। अमेरिका ने उसे सीखने और प्रैक्टिस करने के लिए बेहतरीन माहौल दिया, नौकरी दी, सम्मान दिया, लेकिन यह डॉक्टर आईएसआईएस में भर्ती होकर उसी देश को तबाह करने का सपना देख रहा था! वह रोचेस्टर, मिनेसोटा के मेडिकल क्लिनिक में अनुसंधान समन्वयक के रूप में कार्यरत था। ऐसे में यह भी नहीं कहा जा सकता कि उसके सामने ग़रीबी, अशिक्षा, भेदभाव जैसी समस्याएं थीं, जिनके कारण आतंकवाद की राह चुनी। इस घटना के बाद अमेरिकी एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। वहां रहने वाले पाक मूल के अन्य लोगों को शक की नजरों से देखा जाएगा। अमेरिका ने पिछले कुछ वर्षों में विविधतापूर्ण संस्कृति के नाम पर इस कदर वीजा बांटे हैं कि यह कदम उसके लिए मुसीबत बनता जा रहा है। उसने बिना छानबीन किए हिंसाग्रस्त देशों से आए 'शरणार्थियों' को भी खूब जगह दी। हालांकि अन्य देश भी ऐसे लोगों के लिए अपने दरवाजे खोलते रहे हैं। उदाहरण के लिए, इन दिनों यूक्रेन के कई लोग अपनी जान बचाने के लिए यूरोप व अमेरिका में शरण लिए हुए हैं, लेकिन वे वहां शांतिपूर्वक रहते हैं, स्थानीय समाज व संस्कृति से तालमेल बैठाने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका और पाकिस्तान का रिश्ता बहुत विचित्र है। पाकिस्तान की सरकार और फौज का झुकाव अमेरिका की ओर होता है। अगर प्रधानमंत्री या सेना प्रमुख अमेरिका से छत्तीस का आंकड़ा रखे तो वह ज्यादा दिनों तक कुर्सी पर नहीं रह सकता। इमरान ख़ान ने चीन व रूस से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश में अमेरिका को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। उनका हाल सबके सामने है। वहीं, आम जनता अमेरिका से नफरत करती है। हालांकि सबके मन में यह भी इच्छा होती है कि उन्हें अमेरिका का वीजा मिल जाए। पाकिस्तानी समाज के बारे में यह प्रसिद्ध है कि वहां लोग अमेरिकी वीजा हासिल करने के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं और अमेरिका के ही अहित की कामना करते हैं। असल में इसके लिए काफी हद तक पाकिस्तान का स्कूली पाठ्यक्रम जिम्मेदार है। सामाजिक माहौल और मीडिया ने भी पाकिस्तानियों में यह मानसिकता विकसित की है कि भारत, अमेरिका, इज़राइल उनके शत्रु हैं, इसलिए उनका कर्तव्य है कि वे इनके विरुद्ध काम करें। लिहाजा डॉक्टर मसूद ने अमेरिका जाकर जो 'कारनामा' किया, उस पर किसी को आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने समय रहते इस शख्स के मंसूबों पर पानी फेरकर बड़ी आतंकी घटना टाल दी, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडेन को याद रखना चाहिए कि यह ऐसी अंतिम घटना नहीं है। पाकिस्तान में आज भी इसी मानसिकता के लोग बहुत बड़ी तादाद में मौजूद हैं। अगर उन्हें अमेरिका आने का मौका मिले तो वे वही सबकुछ दोहराना चाहेंगे, जो डॉक्टर मसूद करना चाहता था। दूसरी ओर यही अमेरिका पाकिस्तान को दिल खोलकर आर्थिक सहायता देता है। उसे फौजी साजो-सामान मुहैया कराता है। उसकी पीठ थपथपाता है। पाकिस्तानियों को धड़ाधड़ वीजा देता है। आज समय की मांग है कि पाकिस्तान पर तुरंत आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। उसे फौजी साजो-सामान देना बंद किया जाए। उसे कट्टरपंथ और आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए सख्त चेतावनी दी जाए। वह जब तक संतोषजनक प्रगति न कर ले, पाकिस्तानियों को वीजा देने पर पाबंदी जारी रहनी चाहिए। अमेरिका को भारतीय युवाओं के लिए अपनी वीजा सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए। भारतीय प्रतिभाएं जहां जाती हैं, वहां अपनी काबिलियत का लोहा तो मनवाती ही हैं, उस देश की मिट्टी से भी बहुत प्रेम करती हैं।

ट्वीटर टॉक

आज मरुधरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के नवनिर्मित जगशान्ति ऑडिटोरियम एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर संघ की नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई।

-अशोक गहलोत

संसदीय क्षेत्र सांगोद के पोलाइकलां गांव में लाडली बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाया। बहनों को आश्वस्त किया कि उनके जीवन को समृद्ध व खुशहाल बनाएंगे। महिलाएं करूणा और संवेदना से परिवार का ख्याल रखती हैं। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हमारे शब्द और विचार कम पड़ जाते हैं।

-ओम बिरला

बुडापेस्ट में आयोजित हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में जेवलिन थ्रो प्रतिस्पर्धा में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा जी को स्वर्ण पदक जीत कर नया कीर्तिमान रचने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

सत्य-अर्द्धसत्य

एक चिड़िया के बच्चे होने वाले थे। वह आशियाने की तलाश में जंगल में पहुंची। वहां उसको दो पेड़ दिखे जो नदी के किनारे पर थे। उसने पहले पेड़ से अपना घर बनाने के लिए पूछा। पहले पेड़ ने मना कर दिया! अब वो दूसरे पेड़ के पास पहुंची तो दूसरे पेड़ ने इसको इजाजत दे दी। लेकिन कुछ दिनों बाद एक घटना घटी। अचानक बाढ़ आ गयी और जिस पेड़ ने उसे मना किया था वो उखड़कर बह गया। ये देखकर अन्य पेड़ पर बैठी चिड़िया बोली कि जो दूसरों की मदद नहीं करते उनके साथ ऐसा ही होता है। कभी-कभी भिखारी भी मदद कर देते हैं। बहते हुए पेड़ ने बहुत ही शालीनता के साथ जवाब दिया कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। मेरी जड़ें कमजोर थीं इसलिए मैंने आपको मना किया क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि आपका और आपके नन्हे बच्चों का भविष्य मेरी वजह से बह जाए। यह सुनकर उस चिड़िया की आंखें फ़टी की फटी रह गयीं कि मैं कितनी गलत थी।

सामयिक

शिव शक्ति नाम में भारतीय दर्शन की व्यापक सोच

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

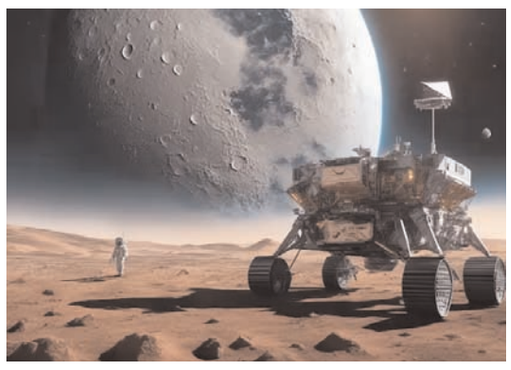

चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर उतरने की जगह का नाम शिव शक्ति हो चुका है। उस स्थान को जहां चंद्रयान-2 ध्वस्त हुआ, तिरंगा नाम दिया गया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने उसका नाम कैसे रख दिया? क्या वह चांद के मालिक हैं ? यह गलत बात हैआदि आदि। ये ऐसी प्रतिक्रियाएं हैं जिनका उत्तर देना भी अपना समय नष्ट करना होगा। चंद्रयान 1 जहां 2008 में उतरा था उसका नाम तत्कालीन संप्रग सरकार ने जवाहर रख दिया। हालांकि चंद्रयान की योजना अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान बनी थी और उन्होंने 1999 में ही घोषणा की थी कि 2008 में चंद्रयान 1 प्रक्षेपित होगा। भाजपा मांग कर सकती थी कि बाजपेयी जी का नाम रखा जाए। शिव शक्ति और तिरंगा राजनीतिक नाम भी नहीं। इस नाम के पीछे गहरी सोच है। हमारे धर्मग्रंथो में शिव और चंद्रमा के संबंध बताने की आवश्यकता नहीं। शिव शक्ति भारतीय सभ्यता संस्कृति का प्रतीक नाम है। नामकरण के कुछ उद्देश्य होते हैं। शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। वे कालों के काल महाकाल भी हैं। कल्याण के लिए वे विषपान तक चले गए। उन्हें नीलकंठ भी कहा जाता है। तो शिव शक्ति नाम का अर्थ यह हुआ कि भारत का अंतरिक्ष अभियान या चंद्रमा पर चंद्रयान का उतरना संपूर्ण मानवता या सृष्टि के कल्याण के लिए है और कालातीत है। यानी हमारा अंतरिक्ष अभियान विज्ञान की प्रकृति पर विजय को दर्शाने या महाशक्ति की धौंस जमाने के लिए नहीं है।

यही भारतीय दृष्टि आज हमारी समस्त विदेश नीति, रक्षा नीति, विज्ञान नीति का मूल दर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद आंतरिक और बाह्य नीतियों में भारतीय सभ्यता संस्कृति का दिग्दर्शन हो रहा है और विश्व मानवता भी हमारी व्यापक दृष्टि और व्यवहार से परिचित हो रही है। उन्होंने चंद्रयान 3 की सफलता के बाद दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल भारत की और भारत के वैज्ञानिकों की सफलता नहीं है, संपूर्ण विश्व की, मानवता की सफलता है। प्रधानमंत्री ने अपने देश की वैज्ञानिक उपलब्धियां, अनुसंधान आदि की चर्चा की, पर धौंस जमाने या यह प्रदर्शित करने का दंभ नहीं था कि भारत के समक्ष दूसरे देश छोटे या बौनें हैं। संपूर्ण विश्व का साझा अभियान बताकर प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि भारत का वैश्विक दृष्टिकोण क्या है। भारतीय जीवन दर्शन में उपलब्धियों और समृद्धि के साथ विनम्रता और त्याग को जोड़ा गया है। ब्रिक्स सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी थे। चीन अंतरिक्ष की उपलब्धियां पर गर्वोन्मत भाव प्रकट करता है। इसी कारण कई गुनी बड़ी आर्थिक शक्ति होते हुए भी चीन को भारत की तरह विश्व में भविष्य के नेता या उम्मीद की दृष्टि से नहीं देखा जाता। बिना उपलब्धि के विश्व मानवता की भाषा बोलें तो कोई सुनने वाला नहीं होता। उपलब्धियां हासिल करने के बाद अपना दर्शन रखते हैं तो सारे देश गंभीरता से सुनते और विचार करते हैं।

यह मानना होगा कि भारत के अंतरिक्ष सफलता के साथ विश्व के अंतरिक्ष अभियानों के दृष्टिकोण में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री कोरोना काल के बाद जिस विश्व व्यवस्था की बात करते हैं उसमें भारतीय दर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रधानमंत्री मोदी हर ऐसे अवसर का इस दृष्टि से उपयोग करते हैं और अपने अनुसार विश्व को संदेश देने में सफल होते हैं। यही चंद्रयान-3 के मामले में है और इसे भारतवासियों को गहराई से समझना चाहिए। दुर्भाग्य है कि जहां संपूर्ण विश्व भारत को बधाई दे रहा है और बड़ी संख्या में देश भारत की सफलता से खुश होकर नेतृत्व की दृष्टि से हमारी ओर देख रहे हैं वहां हम राजनीतिक तू तू मैं मैं में उलझे हैं। कांग्रेस ने 2019 में भी चंद्रयान 1 के उड़ान के साथ भी श्रेय वैज्ञानिकों के अलावा पंडित नेहरू को दिया। इस बार भी कांग्रेस का स्वर यही है। सरकारें निरंतरता में चलतीं हैं। स्वतंत्रता के समय कांग्रेस ही थी और तब विकास की नींव डालने की भूमिका उनकी थी। हालांकि कोई उपलब्धि एक नेता या केवल सरकार की नहीं होती, पर उसकी महत्वपूर्ण भूमिका अवश्य होती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान और कार्य की नींव डालने में नेहरू जी की भूमिका थी। किंतु सब कुछ उन्हीं के कारण हो रहा है केवल दंभ कहा जाएगा। यह सच भी नहीं है। यह मानसिकता स्वयं को ही महान और सर्वोपरि मानती है और दूसरे को स्वीकार नहीं करती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अंतरिक्ष, रक्षा या अन्य वैज्ञानिक अनुसंधानों को मिली शक्ति, दिशा और व्यापक आयाम अतुलनीय है। यूपीए सरकार के अंतिम समय में अंतरिक्ष बजट और आज के बजट को देखें तो यह तीन गुना से भी ज्यादा हो जाता है। अंतरिक्ष को व्यापक आयाम दिया गया। अंतरिक्ष के व्यावहारिक लक्ष्य तय हुए। यानी भारतीय दृष्टि तथा अंतरिक्ष लोगों के दैनिक जीवन से जुड़े इस पर फोकस करने का लक्ष्य मिलने के बाद वैज्ञानिकों ने केंद्रित होकर काम किया है। अमेरिका में नासा की ताकत निजी क्षेत्र है। केवल सरकार की बदौलत अंतरिक्ष या किसी क्षेत्र में आवश्यक ऊंचाइयां हासिल नहीं कर सकते। निजी क्षेत्र को अनुमति दी गई। इंडियन स्पेस एसोसिएशन की स्थापना और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र यानी इन स्पेस का गठन हुआ। श्रीहरिकोटा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में एक निजी लॉन्चपैड और मिशन नियंत्रण केंद्र की स्थापना हुई। आज 140 स्टार्टअप अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहे हैं। स्टार्टअप में 2021 से अभी तक 20 करोड डॉलर का निवेश आया है। 2030 तक इसरो ने अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। भारत दूसरे देशों का सबसे ज्यादा उपग्रह प्रक्षेपित करने वाला देश है। 2040 तक अंतरिक्ष बाजार एक खरब डालर का हो सकता है और उसमें भारत को सर्वाधिक महत्वपूर्ण हिस्सा पाना है तो उसके अनुरूप उद्देश्य, विचारधारा, आधारभूत संरचना, माहौल और सरकारी प्रोत्साहन होना चाहिए। व्यावहारिक दृष्टिकोण नहीं हो तो दूसरे देशों को आप नहीं समझा सकते कि वे उपग्रह क्यों छोड़ें। उपग्रहों से आम व्यक्ति का दैनंदिन जुड़ाव इतना ज्यादा है कि सभी देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इस समय हमारा अंतरिक्ष बाजार चार प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

सही लक्ष्य, विचारधारा,माहौल देने तथा नेतृत्व द्वारा लगातार प्रोत्साहन मिलने के बाद वैज्ञानिक, कर्मचारी सब अपने आपको झोंक देते हैं क्योंकि सब उनके मन के अनुकूल होता है। हमारा चंद्रयान-3 केवल 600 करोड रुपए में सफल हुआ जबकि रूस का लूना 16000 करोड रुपए खर्च करके विफल। यानी बड़ी सफलताओं के लिए भी बहुत ज्यादा धन नहीं चाहिए। विचारों और लक्ष्यों की प्रेरणा तथा नेतृत्व का प्रोत्साहन मूल होता है। 2019 में चंद्रयान-2 की विफलता के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस ढंग से तत्कालीन इसरो प्रमुख को गले लगाया और भाषण दिया वह अद्भुत था। इस बार भी विदेश से लौटते हुए सीधे बेंगलूरु उतर केंद्र पर जाकर उन्होंने वही भूमिका निभाई है।

नेतृत्व का दृष्टिकोण देखिए। उन्होंने छात्रों व युवा वैज्ञानिकों से कहा कि हमारे खगोल विज्ञान की गणनाओं को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर सही साबित करें ताकि हम विश्व को बता सकें कि हमारी धरोहर क्या है। यही बात पहले क्यों नहीं कही गई? इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा था कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में जो कुछ भी आज है वह वेदों में पहले से हैं, बीजगणित , अंकगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति सबके आधार वहां है और पश्चिम ने उसी को नए पैकेज में पेश किया है। सोमनाथ की इस कथन पर पीठ थपथपाई गई। हो सकता है दूसरी सरकार होती तो उनकी हंसी उड़ाई जाती। भारत की ज्ञान शक्ति को साबित करने का लक्ष्य भी वैज्ञानिकों को मिल गया है। तो चंद्रयान तीन की सफलता भारत के उस दर्शन की सफलता है, जिसका आधार अद्भुत ज्ञान के खजाने का सबको लाभ पहुंचाना और संपूर्ण सृष्टि का कल्याण है। भारत चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश ही नहीं बना भविष्य में संपूर्ण विश्व के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को सही दिशा देने की आधारभूमि भी तैयार कर दिया है।

चिंतन

विद्यार्थियों में बढती आत्महत्या की प्रवृति चिंताजनक

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल

मोबाइल-9413179329

राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा से फिर दिल दहलाने वाली खबर आयी है। रविवार को कोचिंग संस्थान के दो विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने की सूचना से समूचे शिक्षा तंत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं? आखिर शिक्षा के मन्दिर में अध्ययन के लिए जा रहे विद्यार्थी आत्महत्या करने को क्यों मजबूर हो रह है? दोष शिक्षा व्यवस्था में है या अधिक पाने की अंधी दौड़ में राजकुमारों को पैसे कमाने की मशीन बनाने को आतुर अभिभावकों का। आत्महत्या के कारण कुछ भी रहे हो, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन विद्यार्थियों द्वारा इस प्रकार निरंतर की जा रही आत्महत्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था सहित शिक्षक व अभिभावकों की भूमिका पर भी संदेह पैदा करता है। आखिर एक विद्यार्थी को क्यों अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। केवल कोटा शहर में पिछले करीब आठ माह में दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी आत्महत्या कर चुके है। यह घटना भी प्रश्न खड़ा करती है कि जब प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि रविवार को बच्चों को अवकाश देने और टेस्ट नहीं लेने के निर्देश है तो इसके बावजूद गाइड लाइन का उल्लंघन करते हुए रविवार को टेस्ट लिया गया बताया जा रहा है, जांच से ही पता चल सकेगा कि इस घटना का कारण क्या है लेकिन देश भर में विद्यार्थी वर्ग द्वारा बड़ी संख्या में की जा रही आत्महत्या जरूर चिंता का विषय है। विद्याथियों की आत्महत्या का यह कोई एक मामला नहीं है, देश भर में अनेक शहर है जहां रहकर विद्यार्थी अपनी पढाई करते है, कितने विद्यार्थी साल भर में मौत को गले लगाते है और कितने विद्यार्थी डिप्रेशन सहित अनेक मानसिक परेशानियों से गुजर रहे है। यह सर्वे का विषय है। लेकिन उससे भी ज्यादा चिंताजनक है मां-बाप का नाजायज दबाब और कोचिंग कक्षाओं का दबाब जहां विद्यार्थी पीसता रहा है और अन्दर तक टूट जाता है, फलस्वरूप एक विद्यार्थी को मौत को गले लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आखिर कब तक हमारे होनहार अपनी जीवन लीला यूं समाप्त करते रहेगें, यह विचारणीय है अभिभावकों से मेरा यही निवेदन है कि बड़ी नौकरी पाने का दबाव देकर अपने नौनिहालों की बली देना कहां तक जायज है। जब आपका कोई बच्चा आपकी भावनाओं के अनुसार पढनें में रूचि ही नहीं दिखा रहा है तो जबरदस्ती की कोचिंग करवाकर क्यों उसके जीवन के लिए संकट बन जाते है। विचार करें।

कोटा के प्रो. दिनेश शर्मा ने अपनी शोध स्टडी में पाया कि जब विद्यार्थी बार-बार खुद को कोस रहा हो। मरने जैसी बातें कर रहा हो। ये कहता हो कि वह किसी काम का नहीं है। दुनिया से परेशान हो चुका है। किसी व्यक्ति, परिवार या संस्था से परेशान हो चुका हो। जीने की इच्छा खत्म होने की बात करता हो। ऐसी बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसे मजाक में लेकर बिल्कुल अवॉइड न करें। इसी प्रकार विद्यार्थी इशारों में अपने नकारात्मक विचार जाहिर करता है। जैसे-सोशल मीडिया पर कोई निगेटिव पोस्ट डालता है।

ज्ञान विज्ञान

अब सूर्य पर भारत फतेह से दुनिया चमत्कृत होगी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

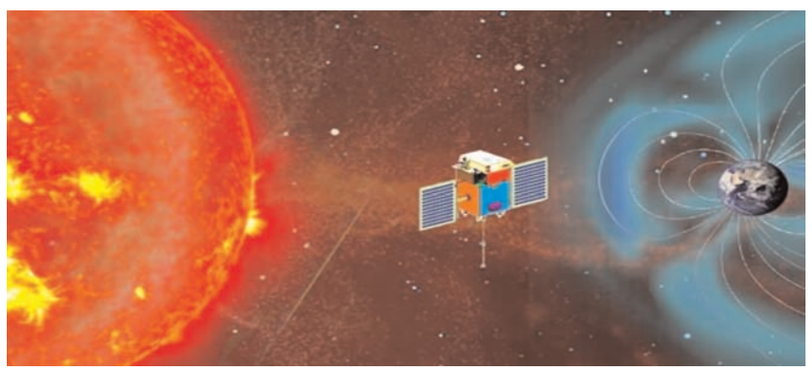

चंद्र अभियान की ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक नया इतिहास गढ़ने एवं एक और मैदान फतेह करने को तत्पर है और सूरज का अध्ययन करने के लिए संभवतः दो सितंबर 'आदित्य-एल 1' यानी सूर्य मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रहा है। आदित्य-एल 1' अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परतों) के दूरस्थ अवलोकन और एल-1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के यथास्थिति अवलोकन के लिए बनाया गया है, इस मिशन की मदद से स्पेस में मौसम की मोबिलिटी, सूरज के तापमान, सोलर स्टॉर्म, एमिशन और अल्ट्रावॉयलेट रेज के धरती और ओजोन लेयर पर पड़ने वाले प्रभावों की स्टडी की जा सकेगी, जिससे मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को सकारात्मक मोड़ देने में सुविधा रहेगी। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और मील का पत्थर होगा। इस प्रक्षेपण के बाद अमरीका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद भारत सूर्य के पास उपग्रह भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। आदित्य एल-1 को पृथ्वी-सूर्य प्रणाली की ऑर्बिट के पांच बिंदुओं में से एक लैग्रेंज-1 में स्थापित किया जाएगा। यहां सूर्य पर ग्रहण के दौरान भी नजर रखी जा सकती है। यह पॉइंट पृथ्वी से 15 लाख किमी. दूर है। निश्चित ही चंद्रयान-3 के 3.84 लाख किमी. के सफर के मुकाबले आदित्य एल-1 का सफर कहीं ज्यादा चुनौती एवं संघर्षपूर्ण होगा।

दुनियाभर के वैज्ञानिक ब्रह्माण्ड के रहस्यों को जानने में जुटे हैं। जिस सौरमंडल में हम रहते हैं, उसे समझने के लिए सूर्य को जानना जरूरी है। सूर्य की ऊर्जा का अध्ययन धरती पर नहीं किया जा सकता। इसलिए दुनिया की दूसरी अंतरिक्ष एजेंसियों की तरह इसरो भी सूर्य के पास जाकर अध्ययन करना चाहता है। उसका पहला सूर्य अभियान सूर्य के कोरोना, प्रकाश मंडल, क्रोमोस्फीयर, सौर उत्सर्जन, सौर तूफानों और कोरोनल मास इजेक्शन के अध्ययन के साथ-साथ सूर्य की संपूर्ण इमेजिंग के नए द्वार खोल सकता है। लगातार चमकने वाला सूर्य, जहां ऊर्जा के लिए निरंतर विस्फोट होते रहते हैं, हमेशा से रहस्य का विषय रहा है। लेकिन ये विस्फोट कब होंगे और इसके प्रभाव क्या होंगे, इसकी सटीक जानकारी धरतीवासियों को नहीं है। ऐसे में इस टेलीस्कोप का एक उद्देश्य इनकी स्टडी करना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मिशन के तहत अलग-अलग तरह के डाटा को जुटाकर ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकेगी जिससे धरती को होने वाले नुकसान के बारे में पहले से अलर्ट किया जा सकेगा। इस अभियान की कामयाबी इसरो के लिए अंतरिक्ष में एक और अहम छलांग होगी। इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी भी बढ़ेगी, जो कि फिलहाल सिर्फ दो फीसदी है। इसमें वृद्धि के लिए इसरो को उसकी महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप सरकार से हरसंभव मदद मिलनी चाहिए।

नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की अनेक बहुद्देश्यीय एवं बहुआयामी योजनाएं आजादी के अमृतकाल में आकार लेने के लिये उजावली हैं, उन्हीं योजनाओं में अंतरिक्ष के अनुसंधान एवं अध्ययन से जुड़ी योजनाओं में से आदित्य-एल 1' एक बड़ी परियोजना है, जो सूर्य की गतिशीलता और उसके पास के मौसम की समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। सूर्य का नाम आदित्य भी है, अतः इस नाम का अभियान या यान सबके आकर्षण का केंद्र बने, तो कोई आश्चर्य नहीं। यह अभियान दुनिया में एक भारतीय शब्द का प्रचार और भारत के अंतरिक्ष अभियान के स्वदेशी होने का अहसास करायेगा। योजना के अनुसार, यह यान कुल 125 दिन में सूर्य के पास की कक्षा में पहुंच जाएगा। सूर्य के एकदम निकट जाने के बारे में तो कोई सोच नहीं सकता, पर सूर्य के पास एक सुरक्षित कक्षा है जहां पहुंचकर कोई यान परिक्रमा करते हुए सूर्य को देख-परख सकता है। यह आदित्य अंतरिक्ष यान सात उन्नत उपयोगी उपकरणों से सुसज्जित है, जो सूर्य की विभिन्न परतों, प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर से लेकर सबसे बाहरी परत, कोरोना तक की जांच करने के लिए तैयार किए गए हैं। इरादा यह है कि सूर्य के पास घटित होने वाली तमाम गतिविधियों का डाटा एकत्र किया जाए, ताकि सूर्य की कुल क्रिया-प्रतिक्रिया को समझा जा सके। हम तेज सूर्य से आंख नहीं मिला पाते हैं, पर भारत का आदित्य यान सूर्य से सीधे आंख मिलाने में सक्षम होगा, इसमें लगे चार उपकरण तो केवल सूर्य को देखने का काम करेंगे, मतलब इस अभियान का मूल लक्ष्य सूर्य को करीब से देखना है।

करोड़ों भारतीयों की प्रार्थना और इसरो के विज्ञानियों की मेधा एवं उनके अथक प्रयासों से जिस तरह चंद्रयान-3 अंततः चांद पर पहुंच ही गया, उसी तरह 'आदित्य-एल 1' भी सूर्य पर फतेह करके दुनिया को आश्चर्य में डालेंगा एवं चमत्कृत करेंगा। इस महत्वाकांक्षी अभियान से एक बार फिर भारत के लोगों का सीना गर्व से चौड़ा होगा और पूरे देश में एक सुखद अनुभूति एवं ऊर्जा की लहर दौड़ेगी। इस महा सूर्य- अभियान के सफल होने से भारतवासियों के अंदर एक अनूठा आत्मविश्वास जागेगा, हौंसला बुलन्द होगा कि हम किसी भी जटिल से जटिल कार्य को पूर्ण कर सकेंगे और विश्वगुरु होने की पात्रता प्राप्त करेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नियुक्ति पत्र

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली में रोज़गार मेले में नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए।

टेरी गॉ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगे ताइवान के राष्ट्रपति पद का चुनाव

ताइपे। विद्युत क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन के संस्थापक और अरबपति टेरी गॉ ने महीनों से लगाई जा रही अटकलों पर सोमवार को विराम लगाते हुए 2024 में होने वाले ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर किस्मत आजमाने की घोषणा की। गॉ ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की आलोचना की और कहा कि सरकार की नीतियों ने ताइवान को चीन के साथ युद्ध के खतरे की ओर धकेल दिया है। चीन, स्व-शासित द्वीप ताइवान पर अपने क्षेत्र का हिस्सा होने का दावा करता है। उन्होंने कहा कि ताइवान को अर्थव्यवस्था और गृह संबंधी अन्य मामलों पर नए दृष्टिकोण की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अंदरुनी मामलों की बात करें तो राष्ट्रीय नीतियां त्रुटियों से भरी हुई हैं। सरकार के पास ताइवान उद्योग जगत और लोगों की आजीविका से संबंधित समस्याओं को हल करने का कोई रास्ता नहीं है।' पूर्व में होन हाई प्रिसीशियन इंडस्ट्री के नाम से जानी जाने वाली गॉ की फॉक्सकॉन एप्पल की एक बड़ी आपूर्तिकर्ता है और चीन में उसकी कई फैक्टरियां हैं। गॉ लंबे समय से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रहे हैं। उन्होंने 2019 राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी पेश की थी लेकिन डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की साई इंग-वेन ने उन्हें आसानी से हराकर फिर से चुनाव जीत लिया था।

दूसरे कार्यकाल के लिए बाइडन की उम्र अधिक, जबकि ट्रंप समस्याओं से घिरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका में अगले साल प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद के दावेदार जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप को लेकर अमेरिकियों को लगता है बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए काफी उम्रदराज हैं, जबकि उनसे कुछ ही साल छोटे डोनाल्ड ट्रंप अन्य तरह की समस्याओं से घिरे हैं। अपने खिलाफ कई आपराधिक अभियोग के बावजूद ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ में शामिल अन्य उम्मीदवारों से काफी आगे हैं। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण के अनुसार, अधिकांश लोग एक कारक पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, जिसे बाइडन बदल नहीं सकते हैं। राष्ट्रपति ने खुद बड़ी चतुराई से इस कारक को भुनाना शुरू कर दिया है। वह दुनियाभर में 80 से अधिक दौरे कर रहे हैं और लोगों को ढलती उम्र के कारण कार्यक्षमता पर कोई असर नहीं पड़ने को लेकर आश्वस्त कर रहे हैं। कार्यस्थल पर उम्र को लेकर भेदभाव भले ही प्रतिबंधित है, लेकिन राष्ट्रपति के कुछ कर्मी इसे लेकर विरोधाभासी नजरिया भी रखते हैं। सर्वेक्षण में 77 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उम्र के लिहाज से बाइडन अगले चार साल के कार्यकाल के लिए उतने प्रभावी नहीं होंगे। न सिर्फ रिपब्लिकन पार्टी के 89 प्रतिशत समर्थकों, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 69 प्रतिशत समर्थकों का भी यही मानना है।

अमेरिका की करीब आधी वयस्क आबादी का कहना है कि ट्रंप भी राष्ट्रपति पद संभालने के लिए काफी उम्रदराज हो गए हैं। इस सर्वेक्षण से जो बात स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आई है, वह यह है कि अमेरिकी नागरिक शीर्ष पदों के लिए बजुर्ग के बजाय युवाओं को अधिक तरजीह देते हैं। विशेष रूप से 67 प्रतिशत लोगों ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के एक निश्चित आयु में सेवानिवृत्त होने की आवश्यकता का समर्थन किया। 68 प्रतिशत ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट में सदस्यों के लिए आयु सीमा तय करने का समर्थन किया। 66 प्रतिशत ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा निर्धारित करने की बात कही। सर्वेक्षण से पता चलता है कि सभी राजनीतिक दलों के ज्यादातर समर्थक एक युवा चेहरे, एक नये चेहरे या दोनों को देखना चाहते हैं। इनमें वर्जीनिया के 28 वर्षीय संचार सलाहकार नूह बर्डेन भी शामिल हैं। वह ट्रंप की जगह बाइडन को अधिक तरजीह देते हैं। बावजूद इसके वह चाहते हैं कि राष्ट्रपति पद के शीर्ष दावेदार उनकी पीढ़ी के होने चाहिए। बर्डेन ने कहा, ''दोनों काफी उम्रदराज हैं। इसी तरह, आर्डमोर में ट्रंप समर्थक ग्रेग पैक (62) चाहते हैं कि बाइडन और ट्रंप दोनों राष्ट्रपति पद की दौड़ से हट जाएं। पैक ने कहा, ''मैं चाहता हूं किसी युवा को मौका मिले।'' एपी-एनओआरसी सर्वेक्षण प्रश्न पूछे जाने और विकल्प प्रस्तुत करने से कहीं आगे था, जिसमें लोगों से प्रत्येक व्यक्ति का उल्लेख करते समय दिमाग में आने वाला पहला शब्द या वाक्यांश पेश करने के लिए कहा गया था।

यदि राष्ट्रपति चुना गया, तो एलन मस्क को सलाहकार बनाना चाहूंगा : विवेक रामास्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवारी के भारतीय-अमेरिकी दावेदार विवेक रामास्वामी ने संकेत दिया है कि यदि वह 2024 में राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह अरबपति कारोबारी एलन मस्क को अपने प्रशासन का सलाहकार बनाना चाहेंगे। 'एनबीसी न्यूज' के अनुसार, रामास्वामी (38) से शुक्रवार को आयोवा में 'टाउन हॉल' के दौरान जब पूछा गया कि यदि वह राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो वह किसे अपना सलाहकार बनाना चाहेंगे, उन्होंने जवाब में मस्क का नाम लिया। रामास्वामी पिछले साल ट्विटर (अब 'एक्स') के मालिक बनने के बाद मस्क द्वारा बड़े पैमाने पर की गई छंटनी के प्रशंसक हैं। बॉयोटेक उद्यमी रामास्वामी ने कहा कि वह ऐसे नए विचारों के लोगों को चाहते हैं, जो सरकार ''के भीतर से नहीं आते।'' 'एनबीसी न्यूज' ने रामास्वामी के हवाले से कहा, ''मुझे हाल में एलन मस्क को और बेहतर तरीके से जानकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि वह मेरे एक दिलचस्प सलाहकार होंगे, क्योंकि उन्होंने ट्विटर के 75 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की।'' उन्होंने कहा, ''और इसके बाद प्रभावशीलता वास्तव में बढ़ गई।'' मस्क (52) 'स्पेसएक्स', 'टेस्ला' और 'एक्स' के मालिक हैं। इससे पहले भी रामास्वामी ने सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के प्रबंधन को लेकर मस्क की सराहना करते हुए कहा था कि वह उसी तरह सरकार चलाएंगे, जैसे मस्क कंपनी चलाते हैं। एनबीसी रिपोर्ट में कहा गया है कि रामास्वामी शिक्षा विभाग, संघीय जांच ब्यूरो और मद्य, तंबाकू, आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक ब्यूरो को बंद करने की अपनी इच्छा के बारे में मुखर रहे हैं। रामास्वामी 40 साल से कम आयु के सबसे अमीर अमेरिकियों में शामिल हैं। उन्होंने 'हार्वर्ड यूनिवर्सिटी' से जीव विज्ञान का अध्ययन किया।

इसके बाद उन्होंने 'येल यूनिवर्सिटी' से कानून की डिग्री प्राप्त की। 'फोर्ब्स' के अनुसार, वह कुछ समय तक अरबपति रहे, लेकिन शेयर बाजार में गिरावट के कारण उनकी पूंजी घट कर करीब 95 करोड़ डालर रह गई। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के दावेदारों की पहली बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अरबपति भारतीय-अमेरिकी उद्यमी रामास्वामी की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय अमेरिकियों ने की 'द वैक्सीन वॉर' फिल्म की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकियों ने पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' की सराहना की और 1.4 अरब की आबादी वाले देश भारत में कोविड-19 से निपटने में भारतीय वैज्ञानिकों, विशेष रूप से महिलाओं के योगदान पर आधारित इस फिल्म को ''आंखें खोल देने वाली'' करार दिया। अग्निहोत्री, 'इंडिया फॉर ह्यूमैनिटी टूर, यूएसए' के तहत विभिन्न शहरों में चुनिंदा दर्शकों के सामने अपनी नई फिल्म की स्क्रीनिंग कर रहे हैं। वाशिंगटन के मैरीलैंड उपनगर में फिल्म देखने के बाद भारतीय-अमेरिकियों ने अग्निहोत्री के लिए खड़े होकर तालियां बजाईं।

अग्निहोत्री के साथ उनकी पत्नी पल्लवी जोशी भी मौजूद थीं, जो एक प्रसिद्ध अभिनेत्री और फिल्म निर्माता हैं। यह फिल्म विषम परिस्थितियों और कुछ विदेशी कंपनियों द्वारा पैदा की गई बाधाओं के बीच भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा कोविड-19 टीके को सफलतापूर्वक विकसित करने की कहानी पर आधारित है। वाशिंगटन में 'क्रेस्ट डायग्नोस्टिक्स लैब' में काम करने वाली भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक ज्योता ने फिल्म देखने के बाद कहा, 'मैं इस बात की वाकई सराहना करती हूं कि कैसे इस फिल्म ने कमतर आंके जाने वाले भारतीय वैज्ञानिकों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हम (महिला वैज्ञानिक) सराहना से वंचित रह जाते हैं। वैज्ञानिक, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की रीढ़ हैं और उनकी सराहना नहीं होती क्योंकि हम अस्पताल के भूमिगत तल में या फिर अस्पताल के पिछले कमरों में काम करते हैं और लोग वास्तव में नहीं जानते कि हम क्या कर रहे हैं।'

फिल्म सेक्शन 108 का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी आने वाली फिल्म सेक्शन 108 का टीजर रिलीज हो गया है। नवाजुद्दीन सिद्दिकी फिल्म टीकू वेड्स शेरू के बाद अब फिल्म 'सेक्शन 108' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह रेजिना कैसेंड्रा के साथ काम करते दिखेंगे। फिल्म सेक्शन 108 का टीजर टी सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, क्या आप अपना दिमाग उड़ाने के लिए तैयार हैं? सेक्शन 108 का नवाज और रेजिना के लीड में घोटाले का बम फोड़ता है। टीजर लाइव अपना पॉपकॉर्न ले आएं और लाइफटाइम स्कैम की राइड के लिए तैयार हो जाएं। टीजर में रेजिना को शिखा सक्सेना के रूप में दिखाया गया है जो सनराइज इंश्योरेंस को रिप्रेजेट करती हैं और नवाजुद्दीन से मदद मांगती हैं। नवाज फिल्म में ताहूर खान की भूमिका निभा रहे हैं जो इंश्योरेंस क्लेम कंस्लटेंट हैं। टीजर की शुरुआत शिखा सक्सेना के इंट्रोडक्शन से होती है। जिसके बाद वे एक केस लेकर नवाज के पास आती हैं और नवाज उस केस को सुलझाने में लग जाते हैं।यह फिल्म 02 फरवरी 2024 को रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ की कमाई की

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ की कमाई कर ली है। रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को प्रदर्शित हुयी है। जेलर बॉक्स ऑफिस पर कमाल का बिजनेस कर रही है। रिलीज के बाद से ही इस फिल्म का देश के साथ विदेशों में भी डंका बज रहा है।

'फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबल विजय बालन के अनुसार जेलर ने 600 करोड़ क्लब में एंट्री कर दी है।फिल्म जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। 'जेलर' में रजनीकांत और तमन्ना भाटिया के अलावा राम्या कृष्णन, शिवा राजकुमार, विनायकन, जैकी श्रॉफ और मोहनलाल भी मुख्य किरदार में नजर आ रहे हैं।

प्राइम वीडियो पर होगा 'बंबई मेरी जान' का प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री अमायरा दस्तूर और अभिनेता के के मेनन की वेबसीरीज बंबई मेरी जान का प्रीमियर 14 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। प्राइम वीडियो ने अपने आने वाले क्राइम ड्रामा, बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। 10 एपीसोड वाली इस सीरीज़ का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा।

'एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, आजादी के बाद के युग पर आधारित, बंबई मेरी जान एक आजाद राष्ट्र की पृष्ठभूमि में मुंबई में अंडरवर्ल्ड के जन्म की कहानी कहती है। दर्शक एक एंटरटेनिंग गैंगस्टर थ्रिलर देखेंगे, जो अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई को एक्सप्लोर करेगी। हम दुनिया भर में अपने दर्शकों के लिए एक और सोच को उड़ान देने वाली सीरीज लाने के लिए प्राइम वीडियो के साथ फिर से काम करके वास्तव में बहुत खुश हैं।शुजात सौदागर ने कहा, बंबई मेरी जान नेचर वर्सेज पालन-पोषण की जटिलता से संबंधित है। इसकी तरह की थीम बेस्ड ख़राब रिश्तों से जुड़ी कहानियां मुझे हमेशा सिनेमाई नरेटिव कहने के लिए आकर्षित करती हैं। बंबई मेरी जान एक ऐसे परिवार की गाथा बुनती है जो आजाद मुंबई के विकास के साथ-साथ अपनी परेशानी और मुश्किल अनुभवों के जरिए से बस और बढ़ रहा है। हम उस सीरीज पर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते जो हमारे दिल के बहुत करीब है।

'गदर-2' बनी सबसे तेज 450 करोड़ कमाने वाली फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर अभी भी धूम मचा रही है। शनिवार को तीसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बन चुकी 'गदर 2' ने संडे को ऐसी कमाई की जिसने एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया। बड़ी स्क्रीन पर तारा सिंह का पाकिस्तानी एडवेंचर देखने के लिए संडे को एक बार फिर सिनेमाघरों में दर्शकों का ऐसा हुजूम उमड़ा कि 'गदर 2' ने फिर से एक दिन में रिकॉर्ड तोड़ कारोबार कर डाला। ज्ञातव्य है कि सिनेमाघरों में 'गदर 2' का तीसरा हफ्ता चल रहा है। 17वें दिन फिल्म ने जो कारोबार किया वो इस शुक्रवार को प्रदर्शित हुई आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 भी नहीं कर सकी है। शुक्रवार-शनिवार सॉलिड कमाई के बाद 'गदर 2' ने संडे को एक बार फिर से बड़ा जंप लिया। शुक्रवार के 7 करोड़ के मुकाबले, शनिवार को फिल्म ने 80% से ज्यादा जंप लिया और 13.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को 'गदर 2' की कमाई में एक बार फिर से उछाल आया। शनिवार के मुकाबले 20% के करीब जंप के साथ सनी की फिल्म ने रविवार को 16.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

रविवार की कमाई के साथ 'गदर 2' का वीकेंड कलेक्शन 37 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। तीसरे वीकेंड में इतनी बेहतरीन कमाई कई बड़ी-बड़ी फिल्मों को नसीब नहीं हुई है। दूसरे वीकेंड में 91 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने वाली इस फिल्म का कलेक्शन, तीसरे वीकेंड में 60% से भी कम गिरा है जो बहुत बड़ी बात है। सनी देओल के नाम सबसे तेज 450 करोड़

रविवार की कमाई से अब 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ का पहाड़ जैसा माइलस्टोन पार कर लिया है। अब 17 दिन में फिल्म का कुल नेट इंडिया कलेक्शन 456 करोड़ रुपये हो गया है। बॉलीवुड के इतिहास में सिर्फ शाहरुख खान की 'पठान' ही अभी तक ये कमाल कर पाई थी, जबकि इस विशाल आंकड़े को पार करने वाली हिंदी फिल्मों में 'पठान' के साथ, एसएस. राजामौली की 'बाहुबली 2' (हिंदी) भी शामिल है। 'गदर 2' के खाते में एक बड़ी अचीवमेंट ये भी आई है कि ये सबसे तेज 450 करोड़ कमाने वाली फिल्म बन गई है। जहां शाहरुख की 'पठान' को ये कमाल करने में 18 दिन का समय लगा था, वहीं 'बाहुबली 2' के हिंदी वर्जन को 450 करोड़ कमाने में 20 दिन लगे थे। 'गदर 2' से सनी देओल की खाते में ऐसे बड़े-बड़े रिकॉर्ड दर्ज हो रहे हैं, जिन्हें तोड़ने की कल्पना भी अगस्त 2023 से पहले किसी ने नहीं की होगी।

'कैसी ये यारियां' का आ रहा पांचवां सीजन

मुंबई/एजेन्सी

शो 'कैसी ये यारियां' अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। इसकी घोषणा पार्थ स्मथान और नीति टेलर ने की। नए सीजन की स्ट्रीमिंग 2 सितंबर, 2023 से शुरू होगी। इस सीजन में माणिक (पार्थ द्वारा अभिनीत) और नंदिनी (नीति टेलर द्वारा अभिनीत) की लव स्टोरी होगी। एक्टर पार्थ, नीति, किश्वर मर्चेंट, अयाज खान और मेहुल निसार शो के नए सीजन में अपने मूल पात्रों को फिर से निभाएंगे। इस सीजन में आयुष शौकीन, सागर पारेख, जान्या खंडपुर और पलाश तिवारी भी सपोर्टिंग रोल्स में होंगे। सीज़न की शुरुआत में गलतफहमी के बाद सीजन 4 के अंत में माणिक और नंदिनी के बीच सुलह हो जाती है।

सीजन 5, सीजन 4 में किए गए हमेशा फॉरएवर के वादे पर आधारित है, जिसमें कपल लंबे समय तक अलग रहने के बाद आखिरकार एक साथ वापस आ गए। नए सीज़न के बारे बोलते हुए, पार्थ ने कहा: 'कैसी ये यारियां' का फोकस हमेशा प्यार रहा है, और इस सीज़न में, दर्शक माणिक और नंदिनी की कहानी में एक नया चैप्टर देखेंगे। उनकी लाइफ में नया एडवेंचर होने वाला हैं। इस शो के माध्यम से हमने जो बेंचमार्क स्थापित किया है, उसे देखते हुए यह अवास्तविक लगता है, हर सीज़न की कहानी दर्शकों का ध्यान खींच रही है।

नए सीज़न के लॉन्च से पहले नीति ने शो के बारे में कहा, ''सीज़न 4 की अपार सफलता के बाद, हम इस बार डबल रोमांस और प्यार के साथ वापस आने के लिए बहुत उत्साहित हैं। दूरी के बाद माणिक और नंदिनी को सीजन 5 में एक साथ देखा जाएगा। मेरा किरदार प्यार और रोमांस को एक पायदान ऊपर ले जाता हुआ नजर आएगा। इतने सालों में दोनों किरदार काफी मैच्योर हो गए हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''माणिक और नंदिनी के लिए फैंस का अटूट प्यार और समर्थन दिल को छू लेने वाला है। मुझे जो प्रशंसा और स्नेह मिला है, वह प्रेरणा का जबरदस्त स्रोत है और हम दर्शकों से वादा करते हैं कि इस सीज़न में, उन्हें एक ऐसा प्यार देखने को मिलेगा जो सभी परेशानियों को पछाड़कर जीत हासिल करता है।'''कैसी ये यारियां- सीजन 5' जल्द ही जियोसिनेमा पर स्ट्रीम होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 29-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन के नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को जीतो अपेक्स के अमृतकाल महोत्सव के अन्तर्गत देशभक्ति कार्यक्रम के तहत 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर किया। कारगिल के स्वतंत्रता सेनानियों की उपस्थिति में राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जाने माने गीतकार,लेखक व प्रेरक वक्ता मनोज मुंतशीर शुक्ला ने अपनी प्रस्तुति से सभी का दिल जीता।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आचार्य महाश्रमण के शिष्य कमल मुनि महाराज और भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की। बाद में लहर सिंह ने राष्ट्रपति को श्वेतांबर जैन तेरापंथ समाज की ओर से तुलसी स्मृति ग्रंथ की प्रति भेंट की। महाराज और सांसद ने राष्ट्रपति को अणुव्रत अमृत महोत्सव तथा तेरापंथ के अन्य कार्यक्रमों से अवगत कराया।

जो अपने आँसू पोंछे वो नैन, जो दूसरे के आँसू पोंछे वो जैन : मनोज मुंतशीर

जीतो नॉर्थ द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन के नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को जीतो अपेक्स के अमृतकाल महोत्सव के अन्तर्गत देशभक्ति कार्यक्रम के तहत 'रंग दे बसंती' कार्यक्रम का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर किया। कारगिल के स्वतंत्रता सेनानियों की उपस्थिति में राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जाने माने गीतकार,लेखक व प्रेरक वक्ता मनोज मुंतशीर शुक्ला ने अपनी प्रस्तुति से सभी का दिल जीता। कार्यक्रम में मनोज मुंतशीर ने जीतो की कोरोना काल में की गई सेवाओं को याद करते हुए कहा कि जो अपनो के आँसू पोंछे वो नैन और जो दूसरों के आँसू पोंछे वो जैन। उन्होंने यह भी कहा कि जैन कम है लेकिन कमज़ोर नहीं। भारत की सबसे समृद्ध जाति होते हुए भी जैन समाज अपरिग्रह की भावना को मन में रखते है, जैन समाज दोनों हाथों से कमाता है उसी रूप में धन का सत्कार्यों में विसर्जन में भी आगे रहता है। जीतो ने समाजसेवा, शिक्षा, सेवा व आर्थिक उन्नत्ति को अपना लक्ष्य बनाकर विभिन्न प्राकृतिक व कोरोना आपदा में सहायता का हाथ आगे बढ़ाकर अपनी राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रधर्म को भी बखूबी निभाया है, वह सराहनीय हैं। देश प्रेम की अपनी विराट भावनाओं को तथा भारत के सच्चे सपूतों की भारत माँ के प्रति सोच को रखते हुए उन्होंने कहा कि ऐ माँ भरोसा रख अपनी संतानों पर-हम तिरंगा गाड़ देंगे आसमानों पर। देशभक्ति पर उन्होंने अपनी प्रस्तुति द्वारा उपस्थित दर्शकों में देश के प्रति कर्तव्यों तथा देशप्रेम की भावना को बल दिया। माँ-पिता विषय पर उनकी भावनात्मक प्रस्तुति ने सभी दर्शकों की आँखों को नम कर दिया।

जीतो पदाधिकारियों तथा स्वतंत्रता सेनानी एवं कारगिल के नायक कैप्टन नवीन नागप्पा व हवलदार वी. गुमकर द्वारा राष्ट्रीय एवं जीतो ध्वजारोहण से रंग दे बसंती कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कारगिल योद्धाओं, बेंगलूरु मध्य के सांसद पी.सी. मोहन, अपेक्स निदेशक विनोद जैन व हितेश पालरेचा, जीतो के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश सिंघवी, श्रीपाल खींवेसरा व अशोक नागोरी, केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा व महामंत्री सुधीर गादिया, साउथ महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल, अपेक्स महिला उपाध्यक्ष ललिता गुलेच्छा, पूर्व अपेक्स निदेशक संजय धारीवाल व गौतम देसरला,नार्थ महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी व महामंत्री सुमन वेदमुथा, साउथ महिला अध्यक्ष सुनीता गांधी, नार्थ युवा अध्यक्ष मनीष कोठारी आदि द्वारा द्वीप प्रज्वलन किया गया। सभी का स्वागत करते हुए नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने कहा कि आयोजन से एकता और देशभक्ति की एक मिशाल कायम होगी और जीतो सदस्यों में मजबूत बंधन की शुरुआत होगी। सांसद पी.सी. मोहन ने एकता एवं देशभक्ति पर अपने विचार रखे तथा जीतो की समाज के प्रति सेवा भावना की सराहना की। केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, नार्थ चैप्टर के महामंत्री सुधीर गादिया ने एकता, जुड़ाव एवं देशभक्तिपूर्ण इस आयोजन की सराहना की। रंग दे बसंती कार्यक्रम के संयोजक सिद्धार्थ पटवा, सह संयोजक राजकुमार सोलंकी व नितिन कटारिया ने कार्यक्रम के सफलता का श्रेय नार्थ टीम को दिया। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि आयोजन के दौरान डा.श्याम ने तिरंगा जेमिंग द्वारा भारतीय ध्वज के रंगों वाली संगीतमय स्वर का माहौल पैदा किया। इस मौके पर मेट्रिमोनी योजना की शुरुआत व महिला उद्यमियों के लिये जेबीएन वी-कनेक्ट तथा जीतो प्रीमियर क्रिकेट लीग की घोषणा की गई तथा कारगिल योद्धाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गायक हितेश मेहता ग्रुप द्वारा देशभक्ति के अनेक गीत प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन में नार्थ चैप्टर के पदाधिकारियों व सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

महेन्द्र मुणोत ने दावणगेरे में बालिकाओं को बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। बेंगलूरु के मारुति मेडिकल के प्रमुख व समाजसेवी महेन्द्र मुणोत ने विद्यादान अभियान व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत दावणगेरे जैन समाज द्वारा संचालित रश्मि बालिका विद्यालय में बालिकाओं को शिक्षण सामग्री वितरित की। इस मौके पर मुणोत के साथ दावणगेरे के गौतम जैन, अशोक जैन, दीपक जैन, सुनील जैन, प्रीतम जैन आदि उपस्थित थे।

इस मौके पर मुणोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' एवं 'सबका साथ-सबका विकास' अभियान के तहत भारत को आत्मनिर्भर बनाने की जिम्मेदारी बालिकाओं पर है ऐसे में हम सभी का भी कर्त्तव्य बनता है कि हम भी युवतियों को सहयोग करें।

हम सभ इन बालिकाओं को किताबी ज्ञान के साथ भारत की संस्कृति एवं संस्कारों से पोषित करें एवं उनके सर्वांगीण विकास का प्रयास करें।

तेरापंथ भवन विजयनगर में हुई 'फोरकास्ट ऑफ जैनिज्म' रोचक प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में विजयनगर किशोर मंडल द्वारा तेरापंथ इतिहास पर आधारित ज्ञानवर्धक फोरकास्ट ऑफ जैनिज्म रोचक प्रतियोगिता का आयोजन मुनिश्री दीपकुमारजी व काव्यकुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में किया गया। इस मौके पर मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि जैन इतिहास के महान नायकों जैसे तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ जो श्रीकृष्णजी के चचेरे भाई थे, राजपुत्र होते हुए भी अहिंसा को जन सामान्य में पुनः स्थापित करने हेतु जीव मात्र पर दया का भाव एवं भगवान के त्याग मय जीवन वृतांत को प्रभावी तरीके से समझाया। साध्वी चंदनबाला के संघर्ष और आत्म कल्याण में भगवान महावीर की भूमिका का बारे में बताया।

मुनिश्री ने आचार्य भिक्षु के समय व्याप्त भ्रांतियों, शिथिलाचार पर आर्य भिक्षु द्वारा अपने बोधि ज्ञान द्वारा पुनः आगम वाणी पर शोध और शुद्ध साध्य के महत्व हेतु कृत धर्म क्रांति के वृतांत को सरलता से बताया। कार्यक्रम के एंकर व तेयुप के उपाध्यक्ष विकास बांठिया ने संचालन किया। प्रतिभागी टीमों में सभी संस्थाओं सभा, परिषद, महिलामंडल, कन्या मंडल, किशोर मंडल के सदस्यों की सहभागिता रही। मनोहरलाल राकेश मुकेश बाबेल के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में टीमों के आध्यात्मिक नाम पात्री, ध्यान, पुंजनी, संयम, मुखवस्त्रिका, रजोहरण, सामायिक, माला, अहिंसा स्वाध्याय रखे गए।

मुनिश्री काव्यकुमारजी ने तेयुप एवं किशोर मंडल टीम को निर्देशित एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने ने कहा कि तुलसी इन डिजिटल, स्वरांजलि, फोरकास्ट ऑफ़ जैनिज्म जैसे अनेक ज्ञानवर्धक रोचक कार्यक्रम के निमित्त विजयनगर में चल रहे चातुर्मास प्रवास से संपूर्ण श्रावक समाज आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित हो रहे है। किशोर मंडल संयोजक नमन चावत ने सबका स्वागत किया। किशोर मंडल के संयोजक विशाल श्यामसुखा व डिजिटल सहयोगी रौनक बोथरा ने धन्यवाद दिया। प्रतियोगिता में विजेता टीम पात्री, द्वितीय टीम रजोहरण, तृतीय टीम के सामायिक टीम का सम्मान किया गया।

व्यक्ति को जीवन में धन के प्रति ममत्व भाव नहीं रखना चाहिए : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि पाप कर्मो के कारण जीव अनादि काल से चार गति, चौबीस दंडक, चौरासी लाख जीव योनी में परिभ्रमण कर रहा है। हमारे यहां पर पाप का वर्णन चल रहा है। पांचवा पाप है परिग्रह। परिग्रह अर्थात संग्रह करना। साधनों के प्रति आसक्ति के कारण हम वस्तुओं का संग्रह करते हैं। आसक्ति यानी आ सकती है लेकिन कभी जा नहीं सकती। हम लोग इतने सारे परिग्रह को इकट्ठा करते हैं कि आराम से नींद भी नहीं आती है । प्रभु परमात्मा के पास कितनी सारी धन संपदा सुख के साधन होते हुए भी सब कुछ छोड़कर संयम पथ पर चले जाते हैं। प्रभु परमात्मा ने आनंद श्रावक को अल्प परिग्रही कहा था क्योंकि उनके पास बहुत सारी धन संपत्ति तो थी लेकिन उस पर ममत्व भाव नहीं था। इच्छाएं हमारी अनंत है पर हमारी आवश्यकता है सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान। व्यक्ति के जीवन में धन होना जरूरी है पर धन के प्रति ममत्व भाव नहीं रखना चाहिए। हमें मर्यादित जीवन जीना चाहिए अगर हमारे पास मर्यादा से ज्यादा धन संपत्ति या साधन है तो उसका दान आदि के माध्यम से त्याग कर देना चाहिए। ऐसा करने से हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है। इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि हमारे जीवन में तीन चीज होना जरूरी है समझ शक्ती, सहनशक्ति और संवेदन शक्ति। सब जीवों के प्रति प्रेम, दया करुणा का भाव रखेंगे तो हमारे को जो बड़ी मुश्किल से मानव भव मिला है तो उसको सफल बनाया जा सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

सम्यक दर्शन सभी धर्मों की जड़ है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवकार महामंत्र की आराधना के छट्ठे दिन जाप एवं 68 तीर्थ भावयात्रा में कहा कि संस्कृत में सम्यक का मतलब है सही और दर्शन का मतलब है दृश्य। यह अरिहंत के उपदेश में विश्वास को भी दर्शाता है। सम्यक दर्शन सभी धर्मों की जड़ है। केवल सही दृष्टिकोण के साथ धर्म का पालन किया जा सकता है। यह मुक्ति प्राप्त करने के लिए जैन धर्म में तीन रत्नों में से पहला है। सम्यक दर्शन का प्रतीक रंग सफेद है। उन्होंने कहा कि जीवन में छिपा है। स्वर्ग और मोक्ष मनुष्य अपने ही विचारों से अपने जीवन में स्वर्ग और नरक दोनों का निर्माण करता है। मृत्यु के बाद स्वर्ग मिलता है या नरक, पता नहीं, लेकिन विचारों से, कर्मों से, मनुष्य कई-कई बार स्वर्ग और नरक की यात्रा कर लेता है। जीवन के रहस्यों से परिचित होकर जो मनुष्य जीवन जीता है, वह जानता है कि स्वर्गिक आनंद यही है। हमें जो जीवन मिला है, इसके लिए तो देव भी तरसते हैं। मनुष्य जीवन में ही हम परमात्म-तत्व को उपलब्ध कर सकते हैं। मेघराज भंसाली ने बताया कि एकासणा लाभार्थी नेनुबाई मोठमल सदाणी परिवार का संघ की और से बहुमान किया गया। मोहनखेडा ट्रस्ट के ट्रस्टी मांगीलाल रामाणी का संघ की ओर से अध्यक्ष मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, कांतिलाल गांधीमुथा, जयंतीलाल नाहर, गुलाबचंद वाणीगोता, अशोक मुथा ने सम्मान किया।

मैथिलानी समूह ने मनाया अपना स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मिथिलांचल क्षेत्र की प्रवासी महिलाओं के समूह 'मैथिलानी समूह' ने अपनी स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर संस्था की संस्थापिका आरती झा ने बताया कि इस डिजिटल समूह का गठन वर्ष 2015 में किया गया तथा अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में इसका स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस संस्था का मूल उद्देश्य मैथिली भाषा, मिथिलांचल रीति रिवाज का संवर्धन, प्राकृतिक आपदा मेय मदद करना, हर एक मैथिल घर और जरूरतमंद महिला तक सहयोग सेवा देना है। बेंगलूरु इकाई की संचालिका माला झा के नेतृत्व में स्थापना दिवस के मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर नृत्य, गीत व काव्य पाठ शामिल था।

समाज एकता व शांति के लिए राजपूताना 'मातृशक्ति' ने आयोजित किया रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के महिला संगठन 'मातृशक्ति' ने रविवार को भगवान भूतेश्वर महादेव(भगवान शिव) के भक्तिपूर्ण रुद्राभिषेक का आयोजन किया। समाज में समरूपता को बढ़ावा देना, शांति की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन की संभावना पैदा करना और समृद्धि के लिए लोक कल्याण के माध्यम से मानवता की सेवा करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित माधव ने रुद्राभिषेक के महत्व को बताया। इस अवसर पर

अनिलसिंह सिकरवार, वीरेन्द्र सिंह, बृजेश सिंह आदि पुरुष वर्ग सहित सुभाषिनी सिंह, सुनिता सिंह, निर्मला सिंह आदि बड़ी संख्या में महिला शक्ति उपस्थित थीं।

सत्य को स्वीकार कर जीवन का सदुपयोग करें

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्री ने प्रवचन में कहा कि मृत्यु

एक निश्चित घटना है फिर भी मानव निश्चिंत बनकर जीता है। मृत्यु कब आएगी, किस स्वरूप में आएगी यह हम नहीं जानते। इस सत्य को स्वीकार कर जीवन के एक-एक पल का हमें सदुपयोग कर लेना चाहिए। यदि हम बहुत ही सुखों की चकाचौंध में अंधा बनकर इस सत्य का स्वीकार नहीं करते तो हम मानव के चोले में भी पशुतुल्य है।मनपसंद पदार्थ मिलने पर सुख की अनुभूति होती है और नापसंद पदार्थ मिलने पर हम उदास हो जाते हैं। नश्वर सुखों के लिए हम शाश्वत आत्मा को भूल जाते हैं। इस घटना के साथ हम आत्मा का विचार करें कि यदि किसी ने प्रशंसा के शब्द कहे, मेरी मनपसंद चीज दी तो मेरी आत्मा को कोई लाभ नहीं और किसी ने अपमानजनक शब्द बोले, ना पसंद चीज दी तो भी मेरी आत्मा को कोई नुकसान नहीं।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com